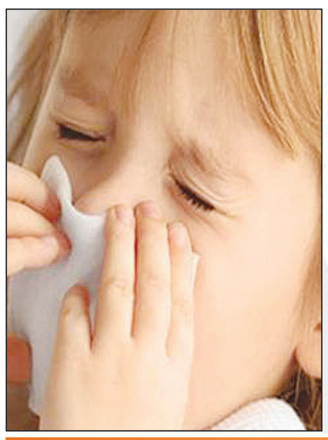

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वायरल संक्रमण से सुरक्षित रहेंगे आपके बच्च पेज: 7

रवीना टंडन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों की घटती भूमिका का पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 100 | मंगलवार 14 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

विधायक खरीद-फरोख्त आरोप पर बीजेपी सख्त, उमर अब्दुल्ला को भेजा 100 करोड़ का मानहानि नोटिस

नई दिल्ली एजेंसी: बीजेपी ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को कानूनी नोटिस भेजा। इसमें उनसे सात दिनों के भीतर बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगने को कहा गया है। यह नोटिस उनके उस आरोप के जवाब में भेजा गया है जिसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी ने एनसी विधायकों को पाला बदलने के लिए 20-30 करोड़ रुपये का लालच देकर उनकी सरकार गिराने की कोशिश की थी। यह नोटिस जम्मू-कश्मीर बीजेपी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सत पॉल शर्मा की ओर से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के वकील परिमोक्ष सेठ ने जारी किया। इसमें चेतावनी दी गई है कि अगर माफी नहीं मांगी गई, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें 100 करोड़ रुपये का मानहानि का मुकदमा भी शामिल हो सकता है।

राम मंदिर चंदा चोरी: सुप्रीम कोर्ट ने ट्रस्ट को भेजा नोटिस, एसआईटी से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

अपनी जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश

चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने उत्तर प्रदेश की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) को दान की कथित चोरी के मामले में अपनी जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जो केंद्र और राज्य की ओर से पेश हुए....

नई दिल्ली एजेंसी: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (13 जुलाई) को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को एक नोटिस जारी किया। यह नोटिस अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान की कथित चोरी की निष्पक्ष और तय समय-सीमा के भीतर जांच की मांग करने वाली याचिकाओं पर जारी किया गया। चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने उत्तर प्रदेश की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) को दान की कथित चोरी के मामले में अपनी जांच की प्रगति पर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का भी निर्देश दिया। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, जो केंद्र और राज्य की ओर से पेश हुए, ने कहा कि स्टेटस रिपोर्ट एक सीलबंद लिफाफे में दाखिल की

जाएगी। 20 जुलाई को अगली सुनवाई इस मामले में अगली सुनवाई 20 जुलाई को होगी, जब कोर्ट याचिकाओं पर विचार करेगा और एसआईटी की जांच के नतीजों की समीक्षा करेगा। तीन याचिकाकताओं में से एक, नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की सीएजी (कंप्ट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल) से ऑडिट कराने की भी मांग की; यह ट्रस्ट राम मंदिर के कामकाज का प्रबंधन करता है। अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव ने भी ऐसी ही मांग करते हुए दूसरी याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग के अलावा, राजद सांसद सुधाकर सिंह द्वारा दायर तीसरी याचिका में मंदिर ट्रस्ट के पूरे वित्तीय कामकाज की फॉरेंसिक ऑडिट की मांग की गई है। राम मंदिर दान चोरी का मामला जून के पहले हफ़्ते में राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती के दौरान गड़बड़ी की बात सामने आने पर मंदिर के दान के कथित दुरुपयोग का मामला प्रकाश में आया। मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर, उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई। एसआईटी में लखनऊ डिविजनल कमिश्नर विजय विश्वास पंत, इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस किरण एस और स्पेशल सेक्रेटरी (फाइनेंस) नील रतन शामिल हैं। एसआईटी को गबन के शुरूआती सबूत मिले, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। अब तक, इस मामले में मंदिर की दान-गिनती प्रक्रिया से जुड़े आठ लोगों को गिरफ़्तार किया गया है। एसआईटी के अनुसार, 45 दिनों की सीसीटीवी फुटेज में इन प्रक्रियाओं का बार-बार उल्लंघन देखा गया। जांचकताओं का आरोप है कि आरोपियों ने गिनती हॉल के अंदर कैश की आवाजाही पर कमजोर निगरानी और अपर्याप्त जांच का फायदा उठाया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस दौरान कम से कम 70 बार चोरी हुई। इसमें जांच से पहले कुछ कर्मचारियों से लगभग 78.94 लाख रुपये और गिनती वाले कमरे से जुड़े बाथरूम से 2.25 लाख रुपये बरामद होने का भी ज़िक्र है।

गलत, बेबुनियाद और मिसलीडिंग...भारत अमेरिका व्यापार समझौता पर पीयूष गोयल ने रॉयटर्स की रिपोर्ट

नई दिल्ली एजेंसी: वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता में गतिरोध की खबरों को पूरी तरह से गलत, बेबुनियाद और गुमराह करने वाला बताते हुए खारिज कर दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा कि यह खबर पूरी तरह से गलत, बेबुनियाद और गुमराह करने वाली है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि जून में नई दिल्ली की यात्रा के दौरान उन्होंने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जेमिसन ग्रीर के साथ "बहुत अच्छी बैठकें" की थीं। उन्होंने फिर से कहा कि दोनों देश एक संतुलित और आपसी फायदे वाले व्यापार समझौते को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गोयल ने कहा कि जून में जब यूएसटीआर जेमिसन ग्रीर दिल्ली

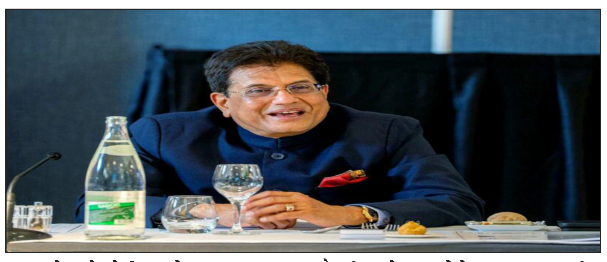

आए थे, तो मेरी उनके साथ बहुत अच्छी बैठकें हुई थीं। दोनों पक्षों ने एक ऐसे समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई जो संतुलित हो, व्यावसायिक रूप से सार्थक हो और दोनों देशों के व्यवसायों, किसानों, श्रमिकों और उपभोक्ताओं को ठोस लाभ पहुंचाए। उन्होंने कहा हमारी टीमें इस लक्ष्य को हासिल करने में पूरी तरह से जुटी हुई हैं। उनका यह बयान कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि समझौते को पूरा करने में कोई रुकावट नहीं है। जून 2026 के ट्रेड डेटा के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए अग्रवाल ने कहा हमें भारत-अमेरिका ट्रेड डील की बातचीत में कोई चुनौती नहीं दिख रही है। मीडिया ब्रीफिंग के दौरान सेक्रेटरी ने हाल की बातचीत के बारे में बताया। "भारतीय टीम मई में अमेरिका गई थी। अमेरिकी टीम जून में आई थी। उन्होंने कहा बातचीत सही ढांचे के तहत चल रही है। व्यापक ट्रेड माहौल पर अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका के टैरिफ कदमों ने कई साझेदारों के लिए अनिश्चितता पैदा कर दी है। उन्होंने कहा, "IEEPA टैरिफ खत्म हो गया है... अब वे फिर से दूसरे देशों के साथ बातचीत कर रहे हैं। वे समानांतर जांच कर रहे हैं।" भारत भी उन चचाओं का हिस्सा है। "हम बातचीत में शामिल हुए हैं। सब कुछ सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। दोनों पक्षों ने सकारात्मक सार्वजनिक रुख बनाए रखा है। अग्रवाल ने कहा, "दोनों पक्ष कह रहे हैं कि सब कुछ ठीक है। डील की स्थिति पर उन्होंने कहा कि डील का ढांचा तय हो चुका है। उन्होंने कहा, "भारत-अमेरिका फ्रेमवर्क डील तैयार है। हम साइन करने के लिए तैयार हैं।

पवन खेड़ा का बड़ा आरोप: प्रधानमंत्री मोदी नेतन्याहू से प्रेरित, लोकतंत्र में नहीं यकीन

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे विचारधारा के स्तर पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से प्रेरित हैं। एएनआई से बात करते हुए खेड़ा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते और उन्होंने भारत में पेगासस निगरानी विवाद को लेकर सवाल उठाए। खेड़ा ने पूछा कि असल बात तो यह है कि नरेंद्र मोदी नेतन्याहू से प्रेरित हैं। वह लोकतंत्र में यकीन नहीं रखते। उनके रोल मॉडल नेतन्याहू हैं। तो, जिस व्यक्ति के रोल मॉडल, हीरो या आइकन नेतन्याहू हों, क्या आप उससे किसी बेहतर चीज की उम्मीद कर सकते हैं? इस देश में पेगासस

कौन लाया, राहुल गांधी या नरेंद्र मोदी? पेगासस स्पाइवेयर का मामला 2021 में तब सामने आया जब आरोप लगे कि इजराइली एनएसओ ग्रुप के सॉफ़्टवेयर का इस्तेमाल सरकारों ने पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं की निगरानी के लिए किया था। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इन आरोपों से इनकार किया है। खेड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की भी आलोचना की और कहा कि इससे भारत को कोई ठोस फायदा नहीं हुआ, फिर भी जनता का पैसा खर्च किया गया। उन्होंने इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारतीय टॉफी ब्रांड 'मेलोडी' का पैकेट तोहफे में देने पर मोदी का मजाक भी उड़ाया। खेड़ा ने सवाल किया कि राहुल गांधी सरकारी खर्च पर सरकारी दौरे पर नहीं जाते। भारत के प्रधानमंत्री इसके लिए ज़िम्मेदार हैं। जब वह विदेश जाकर मेलोनी नाम की महिला को 'मेलोडी टॉफी' बांटते हैं, तो क्या हमें इसका जश्न मनाना चाहिए? क्या टैक्स देने वालों के पैसे से उन्हें यही करना चाहिए? कांग्रेस नेता ने मोदी के विदेशी दौरों के नतीजों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत ने अमेरिका के साथ बहुत ही असंतुलित व्यापार समझौता किया है और दावा किया कि देश की विदेश नीति बाहरी ताकतों से प्रभावित है।

उन्होंने प्रधानमंत्री पर इजराइल का समर्थन करने का आरोप लगाया और कहा कि मध्य पूर्व में संघर्ष शुरू होने से ठीक पहले मोदी ने उस देश का दौरा किया था।

देवेंद्र फडणवीस अब महाराष्ट्र के तीसरे सबसे लंबे समय तक सीएम, शरद पवार का रिकॉर्ड पीछे छूटा

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस राज्य के इतिहास में तीसरे सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता बन गए हैं। उन्होंने नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार के कुल कार्यकाल के समय को पीछे छोड़ दिया है। 31 जनवरी 2026 तक, फडणवीस ने तीन कार्यकालों में कुल मिलाकर लगभग छह साल और सात महीने (यानी 2,430 दिन) तक मुख्यमंत्री के तौर पर काम किया है। इस उपलब्धि ने फडणवीस को शरद पवार से आगे कर दिया है। शरद पवार ने चार अलग-अलग बार मुख्यमंत्री के तौर पर कुल मिलाकर लगभग छह साल और 221 दिन (2,412 दिन) काम किया, लेकिन इनमें से कोई भी कार्यकाल पूरे पांच साल का नहीं था। इसके उलट, फडणवीस ने 2014 से 2019 तक अपने पहले कार्यकाल में पूरे पांच साल काम किया, उनका दूसरा कार्यकाल छह दिन का था, और अभी वे अपने तीसरे कार्यकाल में हैं, जो 31 जनवरी तक 585 दिनों

का हो चुका था। महाराष्ट्र के नेताओं के रिकॉर्ड के अनुसार, सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड वसंतराव नाइक के नाम है, जिन्होंने 11 साल और 78 दिन (4,096 दिन) तक यह पद संभाला। उनके बाद विलासराव देशमुख का नंबर आता है, जिन्होंने लगभग सात साल और 129 दिन (2,686 दिन) तक सेवा की। फडणवीस अब तीसरे स्थान पर हैं और उनका मौजूदा कार्यकाल अभी चल रहा है। 22 जुलाई 1970 को नागपुर के एक मध्यम-वर्गीय परिवार में जन्मे फडणवीस के पास कानून में ग्रेजुएट डिग्री, बिजनेस मैनेजमेंट में पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में डिप्लोमा है। उन्होंने 1992 में नागपुर नगर निगम में पार्षद के तौर पर अपने राजनीतिक करियर की शुरूआत की और लगातार दो कार्यकाल पूरे किए। इसके बाद वे लगातार पांच बार विधायक चुने गए। 2014 में जब फडणवीस ने पहली बार मुख्यमंत्री का पद संभाला, तो वे शरद पवार के बाद महाराष्ट्र के दूसरे सबसे युवा मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी भूमिका के साथ-साथ, उन्होंने गृह, सामान्य प्रशासन, कळ, शहरी विकास, कानून और न्यायपालिका, बंदरगाह और सूचना एवं जनसंपर्क जैसे अहम विभाग भी संभाले। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कई बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए,

वायनाड को कांग्रेस के 'प्रथम परिवार' का सियासी मोहरा बनाया, बीजेपी ने प्रियंका गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली एजेंसी: भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेतृत्व पर आरोप लगाया कि हाल ही में हुए भूस्खलन की त्रासदी के बाद वायनाड की अनदेखी की गई। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि इस निर्वाचन क्षेत्र को पार्टी के 'प्रथम परिवार' के लिए एक राजनीतिक मोहरा बना दिया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा पर निशाना साधा। उन्होंने केरल के वायनाड जिले में अनाकम्पोयिल-मेप्पाडी ट्विन-ट्यूब टनल प्रोजेक्ट साइट पर 7 जुलाई को हुए भूस्खलन के बाद प्रियंका गांधी के निर्वाचन क्षेत्र में न आने पर सवाल उठाए। (पहले ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए सीआर केशवन ने कहा कि प्रियंका गांधी न तो प्रभावित इलाके में गईं और न ही आपदा में मारे गए लोगों के परिवारों से मिलीं। उन्होंने आरोप लगाया कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के अलावा, उन्होंने पीड़ितों या उनके रिश्तेदारों की कोई मदद नहीं की। प्रियंका गांधी पर अपने संसदीय क्षेत्र की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए सीआर केशवन ने कहा कि वायनाड कांग्रेस के 'फर्स्ट फैमिली' (प्रमुख परिवार) के लिए सिर्फ. एक राजनीतिक मोहरा बन गया है। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वायनाड के सांसद रहने के समय का भी ज़िक्र किया और दावा किया कि स्थानीय लोगों ने अक्सर इस बात की शिकायत की थी कि वे अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों से ज्यादा जुड़ाव नहीं रखते थे। उन्होंने लिखा कि पहले जब राहुल गांधी वहां से सांसद थे, तो आम राय यही थी कि वे शायद ही कभी ध्यान देते थे और बहुत कम ही अपने चुनाव क्षेत्र का दौरा करते थे।

बांकीपुर उपचुनाव में जेजेडी प्रत्याशी वीणा मानवी गिरफ्तार, भड़के तेज प्रताप यादव

बिहार एजेंसी: सोमवार को बिहार की बांकीपुर सीट के उपचुनाव के दौरान हंगामा हो गया, जब जनशक्ति जनता दल की उम्मीदवार वीणा मानवी को पटना में नॉमिनेशन पेपर भरने पहुँचते ही पुलिस ने गिरफ़्तार कर लिया। पुलिस ने नॉमिनेशन वाली जगह पर ही मानवी को हिरासत में ले लिया और उन्हें गांधी मैदान पुलिस स्टेशन ले गई। गिरफ़्तारी के बाद मानवी ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ राजनीतिक साज़िश रची गई थी, हालाँकि शुरूआती रिपोर्ट में गिरफ़्तारी की ठोस वजह नहीं बताई गई थी। उनकी बेटी ने भी इस घटना को लेकर कुछ अज्ञात राजनीतिक नेताओं पर गंभीर आरोप लगाए हैं, लेकिन उन आरोपों की पूरी जानकारी तुरंत उपलब्ध नहीं हो पाई। पटना की रहने वाली सोशल एक्टिविस्ट और 'महिला विकास मंच' की प्रेसिडेंट मानवी को 1 जुलाई को जेजेडी प्रेसिडेंट तेज प्रताप यादव ने बांकीपुर सीट के लिए पार्टी

का कैंडिडेट घोषित किया। तेज प्रताप यादव राजद के पूर्व नेता और बिहार के पूर्व राज्य मंत्री रह चुके हैं; पिछले साल पिता लालू प्रसाद द्वारा राजद से निकाले जाने के बाद उन्होंने यह पार्टी बनाई थी। मानवी की उम्मीदवारी का ऐलान करते हुए यादव ने कहा कि उन्होंने एक सोशल वर्कर के तौर पर इस इलाके के लिए बहुत काम किया है। उन्होंने यह भी बताया कि मानवी वैश्य समुदाय से आती हैं–एक ऐसा समुदाय जिसे बीजेपी लंबे समय से लुभाने की कोशिश कर रही है। इस सीट पर बीजेपी के पारंपरिक वोट बैंक के मुकाबले के लिए उन्हें जान-बूझकर उतारा गया है। वीणा मानवी की गिरफ्तारी पर तेज प्रताप यादव ने कहा कि हमारी पार्टी की प्रत्याशी वीणा मानवी जी के विरुद्ध नामांकन के दिन की गई कार्रवाई पर हमें गंभीर आपत्ति है। हमारा मानना है कि उन्हें झूठे मामले में फँसाने और उनकी चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया गया है। यदि ऐसा हुआ है, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अत्यंत चिंताजनक है। मैं, तेज प्रताप यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष, जनशक्ति जनता दल, वीणा मानवी जी के साथ पूरी मजबूती से खड़ा हूँ।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद पर शुभेंदु अधिकारी का बड़ा बयान, कहा- राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ऊपर

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार धार्मिक रीति-रिवाजों पर कोई रोक नहीं लगाती है और उन्होंने विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया। हमने किसी को भी अपने धर्म का पालन करने से नहीं रोका है, जैसा कि विपक्ष ने हमारे बारे में कहा था।

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कोलकाता एयरपोर्ट के अंदर एक मस्जिद में सामूहिक नमाज के लिए एंट्री पास सस्पेंड करने के विवाद पर राज्य सरकार का रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा सबसे ज्यादा जरूरी है। अधिकारी ने जोर देकर कहा कि जियोपॉलिटिकल महत्व वाले इंस्टॉलेशन के गेट बाहरी लोगों के लिए खुले नहीं रह सकते। अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और एयरपोर्ट की सुरक्षा को बाकी सभी चीजों से ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री के तौर पर मैं इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करूँगा। कोलकाता इंटरनेशनल एयरपोर्ट की लोकेशन बहुत अहम है क्योंकि चीन और बांग्लादेश दोनों ही इसके पास हैं। इसके गेट बाहरी लोगों के लिए खुले नहीं छोड़े जा सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार धार्मिक रीति-रिवाजों पर कोई रोक नहीं लगाती है और उन्होंने विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया। हमने किसी को भी अपने धर्म का पालन करने से नहीं रोका है, जैसा कि विपक्ष ने हमारे बारे में कहा था। बकरीद (ईद-उल-अजहा) जानवरों की बलि से जुड़े कानूनों का पालन करते हुए मनाई गई, मुहर्रम बिना हथियार लहराए मनाया गया और

कोई समस्या नहीं हुई। कानून का पालन करें और अच्छे नागरिक बनें। दूसरों को प्रभावित करने की कोशिश किए बिना अपने धर्म का पालन एक निजी मामले के तौर पर करें। तब सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहेगा। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने कहा कि मस्जिद को दूसरी जगह ले जाने से एयरपोर्ट के विस्तार और सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं दूर हो जाएंगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने तुष्टिकरण की राजनीति के कारण इस पर कोई कदम नहीं उठाया था। एएनआई के अनुसार, उन्होंने कहा कि जब मैं छात्र था, तब से ही अखबारों में पढ़ता आ रहा हूं कि कोलकाता एयरपोर्ट पर एक मस्जिद होने के कारण रनवे का विस्तार नहीं किया जा सका। तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पिछली किसी भी सरकार ने इसमें दखल नहीं दिया। अब हमारी सरकार सत्ता में है और हम तुष्टिकरण की राजनीति में विश्वास नहीं करते। मस्जिद को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाएगा। टीएमसी ने कड़ी आलोचना की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सौगत रॉय ने बांकरा मस्जिद में प्रवेश पर अनिश्चितकालीन रोक और मस्जिद को दूसरी जगह ले जाने के प्रस्ताव का विरोध किया। रॉय ने एएनआई से कहा कि वहां के मुस्लिम समुदाय की सहमति से मस्जिद के बारे में कुछ न कुछ किया जाना चाहिए। राजनीतिक टकराव यह बयान तब आया जब राज्य सरकार ने शनिवार को सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बांकरा मस्जिद को दूसरी जगह शिफ्ट करने का फैसला किया।

वहीं, एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अंदर मौजूद गौरीपुर जामा मस्जिद (जिसे बांकरा मस्जिद भी कहा जाता है) में नमाज को शनिवार से तीन दिनों के लिए रोक दिया गया है, ताकि मरम्मत का काम किया जा सके। माना जाता है कि यह मस्जिद 130 साल से भी ज्यादा पुरानी है और एयरपोर्ट से भी पहले बनी थी।

संपादकीय

ज़हरीली विरासत

शासन-प्रशासन के तमाम दावों के बावजूद आज भी पंजाब की नदियों को जहरीला बनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसकी पुष्टि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के समक्ष पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की स्वीकृति है कि आज भी आठ सौ से अधिक प्रदूषण के स्रोत राज्य की नदियों को प्रदूषित कर रहे हैं। निश्चय ही यह तथ्य उन विभागों व संस्थाओं के कामकाज पर सवालिया निशान है जो पर्यावरण संरक्षण के प्रबंधन से जुड़े हैं। साथ ही लंबे समय से अदालत के हस्तक्षेप व विभिन्न सर्वेक्षणों में सामने आए तथ्यों की पुष्टि होती है कि राज्य में जागरूकता की कमी नहीं है, बल्कि समय रहते प्रभावी कार्रवाई न होने से उपजा संकट है। वर्षों से सरकारें एक्शन प्लान बनाने के दावे करती रही हैं। कभी ट्रीटमेंट प्लांट बनाने की बात होती है तो कभी कमेटियां बनाने के दावे होते हैं। आखिर क्यों आज भी बिना साफ किया हुआ सीवेज और औद्योगिक कचरा सतलुज,ब्यास और इनकी सहायक नदियों में बदस्तूर बहाया जा रहा है। जाहिर है, मौजूदा संसाधनों का या तो पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है या उनका रखरखाव ठीक नहीं है। फलतः जन-स्वास्थ्य से जुड़ा एक बड़ा संकट पैदा होता है। जो धीरे-धीरे आपदा का रूप ले लेता है। आज फैक्ट्रियों से निकलने वाले रसायनों के जरिये भारी धातुएं और जहरीले तत्व भूजल को प्रदूषित करने के बाद, हमारी खाद्य श्रृंखला में शामिल हो रहे हैं। जो राज्य के बहुचर्चित 'कैंसर बेल्ट' के रूप में हमारे सामने मौजूद है।

निस्संदेह, पंजाब में यदि हरित क्रांति का परचम लहराया तो उसके मूल में पंजाब की नदियों की बड़ी भूमिका रही है। लेकिन आज वे तंत्र की काहिली, अनियोजित शहरीकरण, नियम-कानूनों का क्रियान्वयन न होने और दोषियों को सजा न मिलने का दंड चुका रही हैं। एनजीटी गाहे-बगाहे नगर निकायों की शिथिलता दर्शाकर सच्चाई से आम लोगों को अवगत कराता रहा है। निस्संदेह, पर्यावरण संरक्षण के प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकते हैं जब तक कि इसकी जिम्मेदारी तय न की जाए और सख्त जुमार्ना लगाना पर्यावरण संरक्षण नीति का हिस्सा नहीं बनता है। राज्य ने साबित किया है कि मरणासन्न नदियों को फिर से जीवित किया जा सकता है। काली बेईं को पुनर्जीवित करने में जागरूक लोगों की बड़ी भूमिका रही है। जो दशार्ता है कि पक्के इरादे के साथ किए गये प्रयास से बेहद बुरे हालात में पहुंच चुके जल स्रोत को भी जीवंत बनाया जा सकता है।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही कहेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटरी खोलकर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत भिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर मे कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपस में कागज बदल लो। जब तय कर लो कि अपनी समस्या के बदले कौन सी समस्या लोगे तो मेरे पास आ जाना। लोगों ने जब अपने पास कागज पर लिखी समस्या पढी तो वे घबरा गए। लोग एक दूसरे से कागज बदल-बदल कर पढ़ रहे थे। हर बार उन्हें लगता कि उनकी समस्या तो जैसी है वैसी है, पर इस नई समस्या का सामना नहीं कर पाएंगे। कुछ देर में हर किसी को समझ आ गया कि उनकी समस्या जैसी भी है उनके अपने जीवन का हिस्सा है और वे उसी का सामना कर सकते हैं। एक-एक कर के लोग चुपचाप वहाँ से चले गये।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

ई-20 को लेकर जन आंदोलन की तैयारी, एवरेज और गाड़ियां बर्बाद

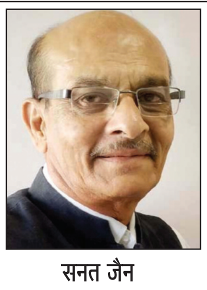
सनत जैन

सरकार ने भारत के सभी पेट्रोल पंपों पर ई-20 पेट्रोल को अनिवार्य कर दिया है। पिछले 1 महीने से इस पेट्रोल के कारण देशभर के सभी राज्यों से गाड़ी का एवरेज कम होने और गाड़ियों में तरह-तरह से खराबी की शिकायतें बड़े पैमाने पर आना शुरू हो गई हैं। जिसके कारण लोगों में गुस्सा बढ़ता चला जा रहा है। दो पहिया और चार पहिया ऐसे करोड़ों वाहन हैं जो ई-10 पेट्रोल के लिए भी तैयार नहीं हुए हैं। मामूली मिलावट का उतना असर नहीं होता था, जितना ई-20 का होना शुरू हो गया है। जिसके कारण अब लोगों का गुस्सा पेट्रोल पंपों और सड़कों पर स्पष्ट रूप से नजर आने लगा है। सरकार यह मानने के लिए तैयार नहीं है। ई-20 पेट्रोल से गाड़ी का एवरेज कम होता है। उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं, कि उनके वाहन का एवरेज 5 से 8 किलोमीटर तक कम हो गया है। दो पहिया वाहनों का एवरेज कम होने से गरीब और मध्यम वर्ग को दोहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक तो उन्हें मिलावटी पेट्रोल ज्यादा कीमत में खरीदना पड़ रहा है। सरकार ने जो 20 फीसदी एथेनॉल मिलाया है, उसके बाद भी पेट्रोल की कीमत कम नहीं की है। उपभोक्ताओं को शुद्ध पेट्रोल और मिलावटी पेट्रोल भरवाने का कोई विकल्प पेट्रोल पंपों पर नहीं दिया गया। ज्यादा पैसे चुकाने के बाद कम एवरेज मिलने और गाड़ियां खराब होने के कारण पेट्रोल उपभोक्ताओं का गुस्सा दिन-प्रतिदिन बढ़ता ही चला जा रहा है।

सरकार उपभोक्ताओं की शिकायतों को पूरी तरह से नजरअंदाज कर रही है। सरकार के मंत्री उपभोक्ताओं के जले के ऊपर नमक छिड़क रहे हैं। सरकार जो दावा कर रही है, वह वास्तविकता के विपरीत है। इसके बाद भी पेट्रोलियम मंत्री खुलेआम यह कहते हुए नजर आते हैं कि ई-20 पेट्रोल ही लेना पड़ेगा और वह सरकार द्वारा निर्धारित दर पर ही मिलेगा। इथेनॉल की मिलावट के बाद भी उस पेट्रोल के रेट कम नहीं किए जाएंगे। रही सही कसर जब पेट्रोल पंपों से मिलावटी पेट्रोल बिक ही रहा है तो पेट्रोल पंप वाले भी इस अफरा-तफरी में अपनी ओर से भी मिलावट करने लगे हैं। पेट्रोल पंपों में अब मिलावट की जांच कर पाना भी संभव नहीं रहा। सरकार के इस रूख के कारण पेट्रोल पंप संचालकों ने भी मनमानी शुरू कर दी है। गाड़ियों के शोरूम और मैकेनिकों के यहां बड़ी संख्या में गाड़ियां मरम्मत के लिए पहुंच रही हैं। फ्यूल सिस्टम चोख हो रहे हैं। गाड़ी की टंकी खराब हो रही है। गाड़ी झटके लेकर चल रही है। उपभोक्ता लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन सरकार उन शिकायतों का निराकरण करने के स्थान पर एक तरह से वाहन चालकों और पेट्रोल उपभोक्ताओं को धमकाने में लगी हुई है। जिसके कारण अब लोगों में गुस्सा देखने को मिल रहा है।

आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में जन आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी है। इतने बड़े पैमाने पर गुस्सा होने के बाद भी यदि सरकार इस मामले में कोई उपयुक्त निर्णय नहीं ले रही है तो यह आश्चर्य करने वाला विषय है। इससे ऐसा लगता है कि इस सरकार को जनता के गुस्से और वोट की कोई चिंता नहीं है। सरकार को विश्वास है जनता कितनी भी नाराज हो जीत तो उसी की होनी है। यही आत्मविश्वास पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी और सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के बयानों में दिख रहा है। अन्यथा वह उपभोक्ताओं की शिकायतों को दूर करने की दिशा में

कार्यवाही करते। मिलावटी पेट्रोल को सरकार जब स्वयं महंगी कीमत पर बेच रही है। शुद्ध पेट्रोल 167 से 170 रुपए लीटर में बेच रही है। इससे उपभोक्ताओं का गुस्सा बढ़ना स्वाभाविक है। पिछले कई वर्षों से जब कच्चे तेल का दाम कम था, पेट्रोलियम कंपनियों ने लाखों करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया, इसका कोई भी लाभ उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा। अब पेट्रोल और डीजल के नाम पर सरकार द्वारा इथेनॉल की मिलावट कर जो लूट की तैयारी की जा रही है उसकी आम जनता के बीच में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है। सरकार को समय रहते इस दिशा में उपयुक्त निर्णय लेने की जरूरत है।

गोल्ड मेडल बनाम कड़ाही का हलवा: कब तक किचन से नपेगी महिलाओं की उड़ान?

निमिषा सिंह

बधाई हो भारत! बधाई हो कानपुर यूनिवर्सिटी की उन बयासी प्रतिशत मेडल लाने वाली बेटियों को, जिन्होंने अपनी मेधा, अपने संघर्ष और अपनी रातों की नींद एक करके अकादमिक दुनिया के सर्वोच्च शिखर को छुआ है। यह आंकड़ा केवल एक सामान्य संख्या या कोई सरकारी रिकॉर्ड नहीं है, बल्कि यह उस बदलते भारत की एक गूंजती हुई हुंकार है जो सदियों की सामाजिक बेड़ियों और घरेलू चारदीवारी को मरोड़कर बाहर निकल रहा है। लेकिन ठहरिए! जरा अपनी इस ऐतिहासिक कामयाबी का जश्न मनाना बंद कीजिए। अपनी डिग्रियों को आलमारी के किसी अंधेरे कोने में बंद करिए, मेडल को गले से उतारिए और चुपचाप हाथ में पेन-कॉपी या लैपटॉप की जगह कलछी, कड़ाही और बेलन थाम लीजिए। क्योंकि देश के एक सर्वोच्च संवैधानिक पद पर बैठीं आदर्श महिला ने यह पूरी तरह साफ कर दिया है कि आपके इन तमाम गोल्ड मेडलों की औकात ससुराल के किचन में बनने वाले उस एक कटोरी सूजी के हलवे से ज्यादा कुछ नहीं है, जिसे खाकर आपकी सास को आत्मिक संतुष्टि मिल सके और वे समाज के सामने आपको एक संस्कारी बहू होने का प्रामाणिक सर्टिफिकेट दे सकें।

यह बेहद विडंबनापूर्ण, निराशाजनक और लोकतांत्रिक मूल्यों को पूरी तरह से शर्मसार करने वाला दृश्य है कि जब देश की बेटियां तमाम सामाजिक, मानसिक और आर्थिक बाधाओं को पार करते हुए अकादमिक क्षेत्र में बयासी प्रतिशत पदकों पर अपना एकछत्र कब्जा जमा रही हैं, तब उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को उनके इस सुनहरे, उज्ज्वल और गौरवमयी भविष्य में सिर्फ एक कच्चा-पक्का हलवा और सास की गालियां ही दिखाई दे रही हैं। महामहिम का दीक्षांत समारोह के उस पावन मंच से दिया गया यह बयान केवल एक सामान्य प्रशासनिक या औपचारिक भाषण नहीं है, बल्कि यह उस गहरी और सड़ी-गली पितृसत्तात्मक सोच का जीता-जागता और भयावह दस्तावेज है, जो महिलाओं की हर सफलता, उनकी हर अद्वितीय योग्यता और उनके पूरे अस्तित्व को हमेशा किचन की चौखट और घरेलू गुलामी के तराजू पर ही तौलती आई है।

एक राज्य की मुखिया और विश्वविद्यालय की कुलाधिपति से यह उम्मीद थी कि वे उन मेधावी, ऊर्जावान और आकांक्षी लड़कियों को यह सिखाएंगी कि आने वाले समय में उन्हें कॉर्पोरेट जगत के शीशे की अदृश्य छतों को कैसे ध्वस्त करना है। उनसे उम्मीद थी कि वे उन्हें मुक्केबाजी, कराटे, आत्मरक्षा, खेल और प्रशासनिक दुनिया में पुरुषों के ऐतिहासिक एकाधिकार को चुनौती देने के लिए भीतर से प्रेरित करेंगी। वे मंच से दहाड़ कर कहेंगी कि लड़कियों, यह पूरी कायनात तुम्हारी है, अपने पंख फैलाओ और पूरी ताकत से आसमान में उड़ जाओ! लेकिन अफसोस, महामहिम ने उस ऐतिहासिक दीक्षांत समारोह के मंच को किसी तीसरे दर्जे के सास-बहू वाले टीवी धारावाहिक का सेट समझ लिया। वे देश की भावी वैज्ञानिकों, शोधकताओं, प्रोफेसरों और प्रशासनिक अधिकारियों को यह दकियानूसी ज्ञान बांटने लगीं कि चाहे तुम कलेक्टर बनो, प्रोफेसर बनो या देश की आईएएस ऑफिसर बनो, पहले एक एक्सपर्ट मां और बावर्ची बनो, क्योंकि ससुराल में तुम्हारा पहला और अंतिम इम्तिहान तो मोबाइल देखकर बनाए गए हलवे का ही होगा।

हम जैसी महिलाएं जो रोज धरातल पर पत्रकारिता कर रही हैं, जो सामाजिक एक्टिविज्म के जरिए हाशिए की, ग्रामीण और शोषित महिलाओं के बीच जाकर दिन-रात यह अलख जगा रही हैं कि किचन के बाहर भी एक बेहद आजाद, गरिमापूर्ण और मुकम्मल दुनिया सांस ले रही है, आपके इस एक गैर-जिम्मेदाराना बयान ने हमारी सालों की मेहनत और संघर्ष पर पानी फेरने का आत्मघाती काम किया है। मैडम, आपने लड़कियों को तो बड़े प्यार और अधिकार से समझा दिया कि वे रो-धोकर, अपमानित होकर और गालियां खाकर भी हलवा बनाना सीखें और चुपचाप ससुराल के हर अत्याचार को नियति मानकर सहें। लेकिन आपने उस पूरे हॉल में बैठे लड़कों, उनके अहंकारी पिताओं और भावी पतियों को यह क्यों नहीं सिखाया कि अगर तुम्हें हलवा खाना इतना ही पसंद है, तो रसोई में जाकर खुद अपने हाथों से उसे बनाना क्यों नहीं सीख लेते? पतियों को एक संवेदनशील इंसान बनने, एक सच्चा सहयात्री बनने और घरेलू ज़िम्मेदारियों को आधा-आधा बांटने की सीख क्यों नहीं दी गई? क्या पुरुषों को इस समाज में सिर्फ बैठकर हुक्म चलाने, दूसरों की थाली में नुक्स निकालने और गालियां देने के लिए विशेषाधिकार प्राप्त है?

मैं अपने पत्रकारिता और सामाजिक जीवन के कड़वे अनुभवों से शुरू से एक बात पुरजोर तरीके से कहती आई हूँ, और आज की यह घटना मेरी उस वैचारिक समझ पर एक और पक्की और मुकम्मल मुहर लगाती है कि आज के आधुनिक दौर में पितृसत्तात्मक विचारों की असली संवाहक और रक्षक पुरुष नहीं, बल्कि खुद समाज के शीर्ष पर बैठीं कुछ रूढ़िवादी महिलाएं बन चुकी हैं। यह देखना और महसूस करना इस दौर की सबसे कड़वी और दुखद हकीकत है। जिस पुरुषवादी सामाजिक व्यवस्था ने सदियों से महिलाओं का दमन किया, उन्हें पढ़ने के अधिकारों से वंचित रखा, उन्हें चारदीवारी में कैद रखा, आज उसी दमनकारी व्यवस्था की पहरेदारी, वकालत और चौकीदारी करने के लिए समाज की शीर्ष पदों पर बैठी महिलाएं खुद आगे आ रही हैं। आनंदीबेन पटेल का यह बयान कोई समाज में इकलौती या नई घटना नहीं है।

अगर हम सत्ता के ऊंचे गलियारों में झांकें, तो हमें ऐसे आत्मघाती और महिला-विरोधी बयानों की एक लंबी और शर्मनाक फेहरिस्त दिखाई देगी। जब देश की पूर्व महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी संसद के भीतर खड़े होकर महिलाओं के सबसे बुनियादी जैविक और स्वास्थ्य अधिकारों को पूरी तरह से खारिज करते हुए पेड पीरियड लीव यानी मासिक धर्म की छुट्टी का पुरजोर विरोध करती हैं, तो वे भी इसी पितृसत्ता की एक मजबूत पहरेदार के रूप में खड़ी नजर आती हैं। जब पश्चिम बंगाल जैसी संवेदनशील राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी किसी वीभत्स और जघन्य गैंगरेप को सरेआम एक सजाई हुई घटना या सिर्फ एक प्रेम प्रसंग का बिगड़ना कहकर पीड़ितों की प्रामाणिकता और उनके चरित्र पर ही सवाल उठा देती हैं, तो न्याय की अंतिम उम्मीद भी वहीं दम तोड़ देती है।

जब महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए बने राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा अपराधियों और बलात्कारियों पर नकेल कसने के बजाय आधुनिक लड़कियों को ही देर रात बाहर न निकलने की ढालू और कायरतापूर्ण नसीहतें देने लगती हैं, तब रक्षक ही भक्षक सा महसूस होने लगता है। और हम भारतीय समाज के मानस से उस घटना को कैसे भूल सकते हैं जब दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने एक महिला पत्रकार की मर्डर मिस्ट्री पर गैर-जिम्मेदाराना तरीके से यह कहकर पल्ला झाड़ लिया था कि महिलाओं को इतनी देर रात अकेले बाहर निकलकर ज्यादा साहसी नहीं होना चाहिए।

ये तमाम राष्ट्रीय उदाहरण इस बात की चीख-चीख कर गवाही देते हैं कि जब महिलाएं ही अपने भीतर की ऐतिहासिक कंडीशनिंग से खुद को मुक्त नहीं कर पातीं और व्यवस्था के शीर्ष पर बैठकर दूसरी संघर्षशील महिलाओं के पैरों में समाज की बनाई पुरानी बेड़ियां डालने लगती हैं, तो पितृसत्ता को किसी पुरुष की लाठी या किसी सामाजिक सहारे की कोई जरूरत ही नहीं रह जाती। यही वह आत्मघाती सोच है, जिसके कारण समाज की अनगिनत बेटियां, चाहे कितनी भी बड़ी-बड़ी डिग्रियां ले लें, चाहे वे जज, डॉक्टर या कलेक्टर ही क्यों न बन जाएं, अंततः दहेज, घरेलू हिंसा और मानसिक प्रताड़ना की भट्टी में चुपचाप झोंक दी जाती हैं। क्योंकि यह तथाकथित सभ्य समाज उन्हें पहले एक स्वतंत्र, तार्किक और संप्रभु इंसान के रूप में स्वीकार ही नहीं कर पाता; वह उन्हें हमेशा पुरुषों की एक सेवादार और अनुगामी के रूप में ही देखना चाहता है। महामहिम और उनके जैसी संकीर्ण सोच रखने वाले इस पूरे समाज को हम आज साफ-साफ और कड़े शब्दों में यह चेता देना चाहती हैं कि महिलाएं कोई रोबोट, मशीन या कोई खिलौना नहीं हैं जिनका इस धरती पर अल्टीमेट गोल सिर्फ बच्चे पैदा करना, पुरुषों का वंश बढ़ाना और उनके लिए गोल रोटियां सेंकना है। हम एक स्वतंत्र, तार्किक, बौद्धिक और पूर्णतः संप्रभु इंसान हैं। हमारी शिक्षा, हमारी डिग्रियां और हमारी नौकरियां हमारी खुद की आर्थिक आजादी, हमारे स्वाभिमान और इस पूरे देश के विकास के लिए हैं, किसी के रूढ़िवादी घर को परेशानी-मुक्त रखने का गुलामी-पत्र नहीं।

कानपुर यूनिवर्सिटी और देश की हर एक यूनिवर्सिटी की उन तमाम जुझारू और मेधावी बेटियों को हमारा सीधा और स्पष्ट संदेश है कि अपने इन गोल्ड मेडल्स को अपनी सबसे बड़ी ताकत बनाओ। पढ़ना, लड़ना, हर गलत परंपरा पर तीखे सवाल करना और पुरुषों के समकक्ष खड़े होकर इस सड़ी-गली व्यवस्था को चुनौती देना ही तुम्हारा पहला और अंतिम दायित्व है। रही बात हलवे की, तो जिसे भी हलवा खाना होगा, वह अपनी भूख और पसंद के अनुसार खुद रसोई में जाएगा, गैस जलाएगा और बना लेगा। अब देश की आधी आबादी आपकी इस दकियानूसी, महिला-विरोधी और हलवा-मार्का सोच के पिंजरे में दोबारा बंद होने वाली नहीं है। हम बेखौफ उड़ना सीख चुकी हैं, और अब आसमान से नीचे हमें कुछ भी मंजूर नहीं।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सुप्रीम कोर्ट की गरिमा और न्याय की संवेदना

देश की सबसे बड़ी अदालत में मयार्दा भी सर्वोपरि और पीड़ित की पीड़ा को समझना भी उतना ही आवश्यक...

देश की सर्वोच्च अदालत केवल एक न्यायिक संस्था नहीं है, बल्कि संविधान की आत्मा और लोकतंत्र की अंतिम आशा का केंद्र है। जब देश का कोई नागरिक हर स्तर पर न्याय की तलाश में असफल होकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाता है, तो उसके मन में यही विश्वास होता है कि यहां उसकी बात निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ सुनी जाएगी। इसी कारण सुप्रीम कोर्ट की गरिमा, मयार्दा और प्रतिष्ठा पूरे न्यायिक तंत्र की आधारशिला मानी जाती है। अदालत की गरिमा बनाए रखना जितना न्यायाधीशों और न्यायिक कर्मचारियों का दायित्व है, उतना ही वहां उपस्थित प्रत्येक अधिवक्ता, याचिकाकर्ता और नागरिक का भी कर्तव्य है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक याचिकाकर्ता वकील द्वारा न्यायाधीशों के प्रति अभद्र भाषा का प्रयोग करना, कागजात उछालना और मुख्य न्यायाधीश के लिए अपशब्द कहना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। किसी भी परिस्थिति में न्यायालय के भीतर इस प्रकार का व्यवहार स्वीकार्य नहीं कहा जा सकता। अदालत तर्क और कानून की भाषा समझती है, आक्रोश और अपमान की नहीं। यदि न्याय की लड़ाई लड़ने वाला स्वयं कानून और शिष्टाचार की सीमाएं लांघने लगे, तो न्याय व्यवस्था पर लोगों का विश्वास कमजोर होने का खतरा पैदा हो सकता है।

वकील केवल अपने मुवक्किल का प्रतिनिधि नहीं होता, बल्कि वह न्यायालय का भी अधिकारी माना जाता है। उसकी वाणी, उसका आचरण और उसका व्यवहार न्यायपालिका की गरिमा से जुड़ा होता है। इसलिए अधिवक्ताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे कठिन से कठिन परिस्थिति में भी संयम बनाए रखें। असहमति व्यक्त करने का अधिकार सभी को है, लेकिन असहमति और अभद्रता के बीच एक स्पष्ट रेखा होती है। उस रेखा का सम्मान करना ही लोकतांत्रिक संस्कृति और न्यायिक परंपरा की पहचान है।

इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अदालत ने वकील की याचिका खारिज कर दी, लेकिन उसके खिलाफ अवमानना की कठोर कार्रवाई नहीं की।

न्यायाधीशों ने यह भी कहा कि वह व्यक्ति संभवतः अत्यधिक तनाव और मानसिक दबाव में है तथा उसकी हताशा स्पष्ट दिखाई दे रही है। यह दृष्टिकोण न्यायपालिका की मानवीय संवेदना को भी सामने लाता है। कानून केवल दंड देने का माध्यम नहीं है, बल्कि परिस्थितियों को समझने और न्याय के व्यापक उद्देश्य को ध्यान में रखने की व्यवस्था भी है।

वास्तविकता यह है कि न्याय की तलाश में अदालत तक पहुंचने वाला प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी पीड़ा, संघर्ष या अन्याय का बोझ लेकर आता है। वर्षों तक मुकदमे लड़ने, आर्थिक बोझ उठाने और बार-बार अदालतों के चक्कर लगाने के बाद जब अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता, तब कई लोग मानसिक रूप से टूट जाते हैं। यह टूटन कभी-कभी हताशा और असंतुलित व्यवहार के रूप में सामने आती है। इसका अर्थ यह नहीं कि ऐसे व्यवहार को उचित ठहराया जाए, बल्कि यह समझना आवश्यक है कि उसके पीछे पीड़ा और निराशा का एक लंबा इतिहास भी हो सकता है। न्यायपालिका की सबसे बड़ी ताकत उसकी निष्पक्षता के साथ-साथ उसकी संवेदनशीलता भी है। यदि कोई व्यक्ति अदालत में अत्यधिक तनावग्रस्त दिखाई देता है, तो उसके साथ कानून के अनुसार व्यवहार करते हुए उसकी मानसिक स्थिति को भी समझना चाहिए। न्याय केवल आदेश सुनाने से पूरा नहीं होता, बल्कि यह विश्वास भी पैदा करता है कि अदालत ने व्यक्ति की बात पूरी गंभीरता से सुनी और समझी। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी पूंजी है।

यह भी सच है कि न्याय में विलंब, लंबी कानूनी प्रक्रिया और बढ़ते मुकदमों का बोझ कई लोगों में निराशा पैदा करता है। ऐसे में न्याय व्यवस्था को अधिक सुलभ, सरल और समयबद्ध बनाने की दिशा में लगातार प्रयास आवश्यक हैं। जब लोगों को समय पर न्याय मिलेगा, तो निराशा और असंतोष की स्थितियां भी कम होंगी। न्याय व्यवस्था का उद्देश्य केवल विवादों का निपटारा नहीं, बल्कि समाज में विश्वास और संतुलन बनाए रखना भी है।

इस घटना ने एक और संदेश दिया है कि न्यायालय की गरिमा बनाए रखने में सभी की समान जिम्मेदारी है। यदि अदालत में अनुशासन समाप्त हो जाए, तो न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित होगी और इसका नुकसान अंततः आम नागरिक को ही होगा। इसलिए चाहे वह वरिष्ठ अधिवक्ता हों, नए वकील हों या स्वयं पक्षकार, सभी को यह समझना होगा कि अदालत में शब्दों का चयन, व्यवहार की मयार्दा और कानून के प्रति सम्मान सर्वोपरि है।

दूसरी ओर न्यायपालिका की उदारता भी सराहनीय है। यदि अदालत चाहती तो अवमानना की कार्रवाई कर सकती थी, लेकिन उसने संयम दिखाया और कठोर दंड देने के बजाय मामले को वहीं समाप्त करना उचित समझा। यह निर्णय बताता है कि न्याय केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि विवेक, धैर्य और करुणा का संतुलित स्वरूप है। हालांकि इस उदारता का अर्थ यह नहीं लगाया जाना चाहिए कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति अदालत की गरिमा को ठेस पहुंचाने का साहस करे। कानून का सम्मान हर परिस्थिति में अनिवार्य है।

लोकतंत्र में न्यायपालिका अंतिम आशा होती है। जब प्रशासन, व्यवस्था और अन्य संस्थाओं से निराश व्यक्ति सुप्रीम कोर्ट पहुंचता है, तो उसके मन में उम्मीद की आखिरी किरण बची होती है। इसलिए अदालतों को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनके सामने खड़ा हर व्यक्ति केवल एक केस नंबर नहीं, बल्कि अपने जीवन की किसी गहरी समस्या से जूझता हुआ इंसान है। उसकी बात सुनते समय कानून के साथ मानवीय संवेदना भी बनी रहनी चाहिए।

इस घटना से देश को दो महत्वपूर्ण सीख मिलती हैं। पहली, अदालत की गरिमा किसी भी कीमत पर भंग नहीं होनी चाहिए। न्यायालय में अपशब्द, आक्रोश और अभद्र व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध हैं। दूसरी, न्याय व्यवस्था को लोगों की पीड़ा, मानसिक तनाव और संघर्ष को भी समझना चाहिए, क्योंकि न्याय केवल निर्णय देने का नाम नहीं, बल्कि समाज में विश्वास बनाए रखने की प्रक्रिया है।

सुप्रीम कोर्ट देश की सबसे बड़ी अदालत है और उसकी प्रतिष्ठा पूरे राष्ट्र की प्रतिष्ठा से जुड़ी हुई है। वहीं, अदालत की चौखट पर आने वाला हर व्यक्ति न्याय की उम्मीद लेकर आता है। इसलिए आवश्यक है कि एक ओर अधिवक्ता और पक्षकार अपनी मयार्दा और जिम्मेदारी को समझें, तो दूसरी ओर न्याय व्यवस्था भी हर पीड़ित की व्यथा को महसूस करते हुए कानून और संवेदना के बीच संतुलन बनाए रखे। यही संतुलन भारतीय न्यायपालिका की सबसे बड़ी शक्ति है और यही लोकतंत्र की स्थायी पहचान भी।

जिले में 11 से 18 जुलाई तक चलेगा विश्व जनसंख्या दिवस अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रमाकांत सागर ने जानकारी देते हुए जनपद में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर 11 से 18 जुलाई तक विश्व जनसंख्या दिवस अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान समुदाय को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करने तथा स्थायी एवं अस्थायी गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रमाकान्त सागर ने बताया कि इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस की थीम "Healthy Timing and Spacing Between Pregnancies for Well&being of Mother & Child and to Prevent Unintended Pregnaacies" तथा स्लोगन जब बच्चों में हो सही अंतराल, परिवार बने स्वस्थ और खुशहाल रखा गया है। मां और बच्चे के बेहतर स्वास्थ्य के लिए दो गर्भधारण के बीच उचित समय और अंतराल अत्यंत आवश्यक है। कम से कम दो से तीन वर्ष का अंतर रखने से मां के शरीर को पर्याप्त समय मिलता है, जिससे एनीमिया, समयपूर्व प्रसव, कम वजन के शिशु के जन्म तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु के जोखिम में कमी आती है। साथ ही यह अनियोजित गर्भधारण को रोकने, परिवार की बेहतर योजना बनाने तथा बच्चों के समुचित पोषण, देखभाल और विकास में भी सहायक है। परिवार नियोजन के अस्थायी एवं स्थायी साधनों को अपनाकर दंपत्ति अपने परिवार का आकार और बच्चों के जन्म का समय अपनी आवश्यकता एवं स्वास्थ्य के अनुरूप सुरक्षित रूप से निर्धारित कर सकते हैं। परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. जसकरन सिंह गंगवार ने बताया कि अभियान के दौरान सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन से संबंधित सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

आशा, ए०एन०एम० एवं अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर संपर्क कर नवविवाहित दंपत्तियों, नवप्रसूताओं तथा योग्य लाभार्थियों को परिवार नियोजन के विभिन्न साधनों और उनके लाभों की जानकारी देंगे तथा आवश्यकता के अनुसार स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेंगे।

रेडीमेड गारमेन्ट्स, दर्जी व हलवाई ट्रेड के लिए 14 जुलाई से साक्षात्कार

अमरोहा (सब का सपना):- जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र अमरोहा के उपायुक्त उद्योग अनूप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूल किट योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए साक्षात्कार 14 जुलाई 2026 और 15 जुलाई 2026 को आयोजित किए जाएंगे। वहीं विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत रेडीमेड गारमेन्ट्स ट्रेड के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 21 जुलाई 2026 से 23 जुलाई 2026 तक दोपहर 12 बजे से होगा। सभी साक्षात्कार कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, शास्त्री नगर, निकट वासुदेव गेट, नौगांवा रोड अमरोहा में संपन्न होंगे। उन्होंने बताया कि जिन अभ्यर्थियों ने रेडीमेड गारमेन्ट्स, दर्जी और हलवाई ट्रेड में ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन किया है, वे निर्धारित तिथि को समस्त आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालय में उपस्थित हों। चयन प्रक्रिया साक्षात्कार के आधार पर की जाएगी।

सीडीओ की अध्यक्षता में हुई संचारी रोग नियंत्रण अभियान की बैठक

अधिकारियों को एक सप्ताह में 03-03 ग्रामों की साफ-सफाई सहित अन्य एक्टिविटी कराने के साथ स्वच्छ बनाने के दिए निर्देश

अमरोहा (सब का सपना):- मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत जनपद स्तरीय अंतर विभागीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सीडीओ ने बैठक में शासन द्वारा जारी दिशा निदेर्शों का अक्षरत पालन करने के संबंध में सभी विभागों को निर्देशित किया। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 जुलाई से 31 जुलाई तक और दस्तक अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई तक चल रहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि आप जिस भी गांव का निरीक्षण करने जाएं उस गांव के फोटोग्राफ्स रिपोर्ट में अवश्य लगाए। निरीक्षण में किसी प्रकार की लापरवाही ना हो। उन्होंने कहा कि जल जमाव वाली बस्ती में विशेष अभियान चलाएं और कार्य में अचीवमेंट देखना चाहिए। बैठक में सीडीओ ने एडीओ, पंचायत को निर्देश दिए कि ऐसे ग्राम चिह्नित करें जहाँ गंदगी की समस्या सबसे अधिक है। चिन्हित ग्रामों में से 3-3 ग्रामों में संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के अंदर साफ-सफाई, जलभराव हटाने, झाड़ी कटाई सहित अन्य आवश्यक गतिविधियाँ कराते हुए इन्हें पूर्ण रूप से स्वच्छ बनाने के निर्देश दिए। साथ ही इन गाँवों की नियमित मॉनिटरिंग भी की जाए। अभियान में आमजन की सहभागिता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। स्कूलों में होने वाली प्रार्थना में संचारी रोगों के प्रति जागरूकता कराने के निर्देश दिए। दस्तक अभियान के तहत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशाओं को घर घर जाकर जागरूकता कार्य करने के निर्देश दिए। सीडीओ ने लोगों की जागरूकता के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियां इस प्रकार से संचालित की जाएं कि उनमें संचारी रोग नियंत्रण के प्रति समझ विकसित हो सके। सीडीओ ने संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए निर्देश दिए कि संचारी रोगों पर नियंत्रण हेतु बेहतर अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने बीमारियों की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा छिड़काव के लिए निर्देश दिए। इसके अलावा आमजन को साफ सफाई और बचाव के प्रति जागरूक करने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रमाकांत सागर, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी अन्य चिकित्सा अधिकारियों और विभागआध्यक्षों द्वारा प्रतिभाग किया गया है।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर, फैमिली आईडी और जीरो पावर्टी अभियान की बैठक हुई सम्पन्न

फैमिली आईडी बनाने के कार्य में तेजी लाते हुए लक्ष्य करें पूर्ण

पीएम सूर्य घर योजना में शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करें:- मुख्य विकास अधिकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ के निदेर्शानुसार आज मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में पीएम सूर्य घर योजना, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम, फैमिली आईडी की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। डीएम ने फैमिली आईडी में खराब प्रगति पर नाराजगी जताते हुए निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में फैमिली आईडी बनाने के लिए लग रहे शिविरों में अधिक से अधिक आईडी बनाते हुए प्रगति लाने के साथ लक्ष्य पूर्ण करें। उन्होनें निर्देश दिये कि आगामी बैठक में सी0डी0पी0ओ0 अवश्य प्रतिभाग करें। पीएम सूर्य घर योजना में सभी विभागों की प्रगति जानते हुए निर्देशित किया कि निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराएं और शत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करें। आमजन के बीच योजना का प्रचार करते हुए लोगों को सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। बैंको में लंबित प्रकरणों के निस्तारण कराने के निर्देश एलडीएम को दिए।

उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को आवास, राशन, पेंशन, विद्युत संयोजन, श्रमिक कार्ड, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। बैठक में जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला प्रोबेशन अधिकारी आदि सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ऑपरेशन स्माइल के तहत थाना डिडौली पुलिस ने 11 वर्षीय गुमशुदा बालक को सकुशल बरामद कर परिजनों को किया सुपुर्द

अमरोहा (सब का सपना):- गुमशुदा व्यक्तियों एवं बालक-बालिकाओं की तलाश एवं बरामदगी हेतु चलाए जा रहे ऑपरेशन स्माइल के तहत थाना डिडौली पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई। 11 जुलाई को ग्राम कपासी, थाना डिडौली निवासी गिरिराज पुत्र रामफल द्वारा सूचना दी गई कि उनका लगभग 11 वर्षीय पुत्र जीतू बिना बताए घर से कहीं चला गया है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना डिडौली पर मु0अ0सं0 288/2026, धारा 137(2) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर बालक की तलाश हेतु पुलिस टीम गठित की गई। गठित पुलिस टीम द्वारा संभावित स्थानों पर लगातार तलाश, सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन, स्थानीय लोगों से पूछताछ तथा अन्य आवश्यक प्रयास किए गए। अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप सोमवार को लगभग 12:00 बजे गुमशुदा बालक जीतू को थाना हसनपुर क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया गया। आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण करने के उपरांत बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने पुत्र को सकुशल प्राप्त कर परिजनों ने अमरोहा पुलिस की त्वरित, संवेदनशील एवं प्रभावी कार्रवाई की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, 107 वाहनों का किया चालान,8.65 लाख का लगाया जुमार्ना

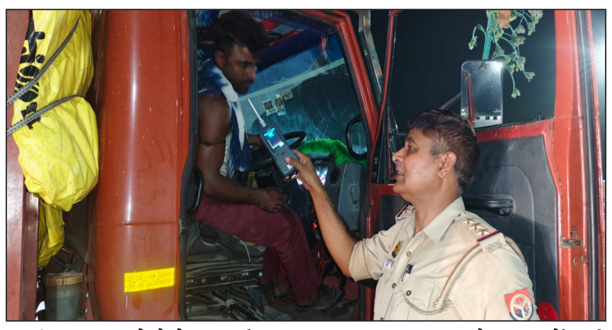

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अपर महानिदेशक यातायात, लखनऊ के आदेशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम दिनांक 11/12 की रात्रि में जनपद अमरोहा में शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जोया टोल प्लाजा पर यातायात प्रभारी के नेतृत्व में यातायात पुलिस की 07 टीमों द्वारा 07 लेनों पर सघन वाहन चेकिंग की गई। इस दौरान लगभग 1300 वाहनों की जांच की गई। चेकिंग के दौरान 09 वाहन चालक शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पाए गए जबकि 57 वाहनों में प्रेशर हॉर्न तथा 41 वाहनों में दोषपूर्ण (Faulty) नंबर प्लेट पाई गई। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 107 वाहनों का चालान करते हुए 8,65,000 का जुमार्ना आरोपित किया गया। अमरोहा पुलिस आमजन से अपील करती है कि स्वयं एवं अन्य सड़क उपयोगकताओं की सुरक्षा के दृष्टिगत कभी भी शराब पीकर वाहन न चलाएं तथा यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार प्रभावी प्रवर्तन अभियान निरंतर जारी रहेगा।

डीएम-एसपी ने कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कांवड़ यात्रा को सकुशल, सुरक्षित एवं सुगमता के साथ सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बिजनौर-अमरोहा रोड पर याहियापुर, मखदूमपुर होते हुए बीलना बॉर्डर तक, तहसील धनौरा में बिजनौर बॉर्डर तक तथा गजरौला स्थित कुमराला पुलिस चौकी सहित विभिन्न कांवड़ मार्गों का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने बैरिकेडिंग, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों, पेयजल, यातायात प्रबंधन एवं रूट डायवर्जन सहित विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि यात्रा मार्गों पर स्वच्छता, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा संबंधी सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से पूर्ण कर ली जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने निर्देश दिए कि जिन व्यवस्थाओं का कार्य अभी शेष है, उन्हें शीघ्र ही पूर्ण कराया जाए। उन्होंने प्रकाश व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ करने तथा संबंधित विभागों को नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। यात्रा मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी, सीसीटीवी कैमरों से सतत मॉनिटरिंग तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ड्यूटी प्वाइंट पर पुलिस बल पूरी सतर्कता के साथ तैनात रहे।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी नौगांवा सादात शशिभूषण पाठक, उप जिलाधिकारी धनौरा शैलेश कुमार दुबे, पुलिस क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कृषि निर्यात को मिलेगा नया प्रोत्साहन, निर्यातकों को 25 प्रतिशत परिवहन अनुदान

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कृषि निर्यात को बढ़ावा देने, किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने तथा निर्यातकों एवं किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति-2019 के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं एवं प्रोत्साहन योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के उद्देश्य से कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग के निरीक्षक अजब सिंह ने अमरोहा सांसद कंवर सिंह तंवर को जनपद में कृषि निर्यात की वर्तमान स्थिति, संभावनाओं एवं संचालित योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने सांसद को बताया कि जनपद अमरोहा से मुख्य रूप से आम, मेंथा एवं गुड़ का निर्यात किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति-2019 के अंतर्गत कृषि उत्पादों के निर्यात पर 25 प्रतिशत परिवहन अनुदान की व्यवस्था है। पात्र निर्यातक फर्में निर्धारित प्रपत्रों के साथ आवेदन कर इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकती हैं। अजब सिंह ने बताया कि जनपद के किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को भी कृषि निर्यात से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जनपद के तीन एफपीओ के निदेशकों को हैदराबाद में आयोजित कृषि निर्यात प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभाग कराया गया, जहां उन्हें निर्यात प्रक्रिया, गुणवत्ता मानकों तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार से संबंधित जानकारी प्रदान की गई।

उन्होंने बताया कि कृषि निर्यात नीति-2019 के अंतर्गत चयनित कृषि जिंसों के लिए 50 हेक्टेयर क्षेत्रफल का क्लस्टर विकसित करने पर एफपीओ को अधिकतम 10 लाख रुपये तक का प्रोत्साहन अनुदान प्राप्त हो सकता है। इसके अतिरिक्त उन्होंने बताया कि बासमती धान उत्पादक किसान जीआई (GI) अधिकृत उपयोगकर्ता बनकर अपने उत्पाद को अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशिष्ट पहचान दिला सकते हैं। साथ ही, जनपद के सभी सक्रिय एफपीओ, जो कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण करते हैं, एगमार्क वर्गीकरण योजना के अंतर्गत पंजीकरण करा सकते हैं। इस योजना के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क में भी कमी की गई है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार जनपद अमरोहा में कृषि निर्यात के क्षेत्र में पर्याप्त संभावनाएं हैं। योजनाबद्ध प्रयासों एवं किसानों तथा एफपीओ की सक्रिय भागीदारी से कृषि निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है, जिससे किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा।

इस अवसर पर सांसद कंवर सिंह तंवर ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है। उन्होंने निर्यातकों, किसानों एवं एफपीओ से अपील की कि वे उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति-2019 के अंतर्गत उपलब्ध परिवहन अनुदान एवं अन्य प्रोत्साहन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि कृषि निर्यात को बढ़ावा मिलने से किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा जनपद अमरोहा की कृषि उपज को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

पिलाकुंड गांव में नाले की समस्या का समाधान, ग्रामीणों को मिली राहत

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:- जनपद के तहसील नौगावां सादात अंतर्गत ग्राम पिलाकुंड में लंबे समय से चली आ रही नाले की समस्या का स्थायी समाधान हो गया है। उप जिलाधिकारी शशि भूषण पाठक ने इस समस्या को गंभीरता से लिया और तहसीलदार व एएमए साहब के साथ ग्रामवासियों की बैठक कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की। उप जिलाधिकारी शशि भूषण पाठक ने गांव पहुंचकर स्थानीय लोगों से वार्ता की। ग्रामीणों ने बताया कि कई वर्षों से गांव में नाले का अभाव होने के कारण गंदा पानी घरों के आसपास जमा रहता था, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा बना रहता था। खासकर बारिश के मौसम में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती थी। बैठक में विस्तृत चर्चा के बाद उप जिलाधिकारी ने नाले के निर्माण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। तहसीलदार और संबंधित अधिकारियों के सहयोग से कार्यवाही शुरू की गई। शीघ्र ही नाले का निर्माण पूरा कर लिया गया, जिससे पूरे गांव में सफाई का माहौल बन गया है। ग्रामीणों ने इस पहल पर उप जिलाधिकारी शशि भूषण पाठक का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अब गंदगी और जलभराव की समस्या समाप्त हो गई है तथा स्वास्थ्य संबंधी जोखिम भी कम हो गया है। गांव के बुजुर्गों और युवाओं ने प्रशासन की इस संवेदनशील कार्रवाई की सराहना की। यह घटना प्रशासन और जनता के बेहतर समन्वय का उदाहरण बन गई है। उप जिलाधिकारी पाठक ने बताया कि विकास कार्यों में ग्रामीणों की भागीदारी और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता देने की नीति पर काम किया जा रहा है। पिलाकुंड गांव के इस समाधान से आसपास के अन्य गांवों में भी सकारात्मक संदेश गया है।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम-एसपी ने पीस कमेटी व धर्मगुरुओं के साथ की बैठक

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को कलक्ट्रेट सभागार, बहजोई में जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में पीस कमेटी के सदस्यों, धर्मगुरुओं तथा डीजे संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी से आपसी भाईचारा, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए कांवड़ यात्रा संपन्न कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा प्रशासन का पूरा सहयोग करें। यात्रा के दौरान निर्धारित मार्ग एवं समय का पालन करें और डीजे व ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही किया जाए। अधिकारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए जाएंगे तथा पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। साथ ही सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भ्रामक या आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित न करने की हिदायत देते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। बैठक में उपस्थित पीस कमेटी के सदस्यों, धर्मगुरुओं एवं डीजे संचालकों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन देते हुए कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर पुलिस एवं प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी तथा जनपद के नागरिक उपस्थित रहे।

गणेश चौथ महोत्सव को यादगार बनाने की तैयारी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर मंथन

चन्दौसी/संभल (सब का सपना):- गणेश मेला परिषद द्वारा आयोजित होने वाले 66वें गणेश चौथ महोत्सव के अंतर्गत मेला ग्राउंड स्थित भूपाल रंगमंच पर आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भव्य, आकर्षक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से कार्यक्रम संयोजकों एवं गणेश मेला परिषद के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी सांस्कृतिक संध्याओं की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा करते हुए विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता, कलाकारों के चयन, मंच संचालन, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, समयबद्ध कार्यक्रम संचालन तथा दर्शकों की सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। परिषद पदाधिकारियों ने सभी संयोजकों से आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए इस वर्ष के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को पूर्व वर्षों की तुलना में अधिक भव्य, आकर्षक एवं यादगार बनाने का आह्वान किया। बैठक में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की गुणवत्ता, अनुशासन एवं व्यवस्थाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर सहमति बनी। साथ ही यह निर्णय लिया गया कि नगर एवं आसपास के क्षेत्रों की उभरती प्रतिभाओं को मंच प्रदान कर भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सामाजिक मूल्यों पर आधारित प्रस्तुतियों को विशेष स्थान दिया जाएगा। मेला व्यवस्थापक रविन्द्र कुमार रूपी ने बताया कि 66वें गणेश चौथ महोत्सव को हर दृष्टि से सफल बनाने के लिए परिषद की सभी समितियां समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम मेला महोत्सव की पहचान हैं, इसलिए उनकी प्रत्येक व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, ताकि कलाकारों और दर्शकों दोनों को बेहतर वातावरण उपलब्ध हो सके। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख मेजर शशिकांत गुप्ता ने बताया कि इस वर्ष भूपाल रंगमंच पर होने वाले कार्यक्रमों में विविधता, गुणवत्ता एवं अनुशासन का विशेष ध्यान रखा जाएगा। नगर एवं क्षेत्र की प्रतिभाओं के साथ विभिन्न शिक्षण संस्थानों और सांस्कृतिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। प्रत्येक प्रस्तुति भारतीय संस्कृति, संस्कारों और सामाजिक समरसता का संदेश देने वाली होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस वर्ष की सांस्कृतिक संध्याएं श्रद्धालुओं एवं दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेंगी। बैठक में गणेश मेला परिषद के पदाधिकारी एवं सभी कार्यक्रम संयोजक उपस्थित रहे। इसकी जानकारी मेला मीडिया प्रभारी शुभम अग्रवाल ने दी।

हज से लौटे हाजियों के सम्मान में डॉ. शाने रब ने दी दावत, भाईचारे का दिया संदेश

संभल (सब का सपना):- जनपद में हज यात्रा से सकुशल लौटे हाजियों के सम्मान में समाजसेवी डॉ. शाने रब द्वारा एक भव्य दावत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हाजी, सामाजिक कार्यकर्ता, नागरिक एवं स्थानीय लोग शामिल हुए। आयोजन का उद्देश्य हज से लौटे हाजियों का स्वागत कर उनके साथ खुशी साझा करना और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने हाजियों को हज की मुबारकबाद देते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की। कार्यक्रम में आपसी भाईचारे, प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में अपनापन और पारस्परिक सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं। समाजसेवी डॉ. शाने रब ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हाजियों की खिदमत और सम्मान करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि समाज में इंसानियत, प्रेम और भाईचारे की भावना को आगे बढ़ाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक दावत के साथ हुआ। उपस्थित लोगों ने डॉ. शाने रब की मेहमाननवाजी की सराहना करते हुए आयोजन को यादगार और प्रेरणादायी बताया।

किसानों का अनिश्चितकालीन धरना सातवें दिन भी जारी, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

चन्दौसी/सम्भल (सब का सपना):- राष्ट्रीय किसान संघर्ष समिति (अराजनैतिक) के नेतृत्व में फोरलेन सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि के उचित मुआवजे की मांग को लेकर तहसील परिसर चन्दौसी में चल रहा किसानों का अनिश्चितकालीन धरना सोमवार को सातवें दिन भी जारी रहा। धरने पर बैठे किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो अगले सप्ताह आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। धरने के दौरान किसानों ने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन उनकी समस्याओं का संज्ञान नहीं ले रहा है। किसानों का कहना है कि फोरलेन सड़क के साथ स्थित हिंदुस्तान प्लेस पार्क की भूमि वर्ष 2023 में आबादी के रूप में दर्ज हो चुकी है, इसके बावजूद 50 मीटर क्षेत्र में आने वाली उनकी चार गाटा संख्या की भूमि का मुआवजा आबादी की दर से नहीं दिया जा रहा है। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारी बैनामा कराने का दबाव बना रहे हैं, लेकिन किसानों को यह लिखित रूप से नहीं बताया जा रहा कि उनकी कितनी भूमि अधिग्रहित हुई है और उसके बदले कितना मुआवजा निर्धारित किया गया है। किसानों का कहना है कि विभाग को अपनी मोहर एवं हस्ताक्षर सहित सहमति पत्र उपलब्ध कराना चाहिए। धरनारत किसानों ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व उनका प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से बहजोई स्थित कार्यालय में मिलकर ज्ञापन भी सौंप चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इससे किसानों में रोष बढ़ता जा रहा है। धरना स्थल पर मौजूद किसानों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जब तक आबादी की दर से उचित मुआवजा नहीं दिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। साथ ही अगले सप्ताह आंदोलन की नई रणनीति तैयार कर उसे और प्रभावी बनाने का भी निर्णय लिया गया।

सड़क हादसे में अज्ञात बाइक सवार घायल, सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- थाना धनारी क्षेत्र के गांव खजरा के समीप सोमवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे खंभे से जा टकराई, जिससे बाइक सवार लगभग 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और तत्काल इसकी सूचना 108 एम्बुलेंस सेवा को दी गई। सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल को बेहोशी की हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया। एम्बुलेंस कर्मचारियों के अनुसार दुर्घटना थाना धनारी क्षेत्र के खजरा गांव के पास हुई, जहां बाइक सवार का वाहन अनियंत्रित होकर खंभे से टकरा गया। घायल के पास कोई पहचान पत्र नहीं मिलने से उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है।

पुलिस घायल की पहचान कराने और उसके परिजनों तक सूचना पहुंचाने का प्रयास कर रही है। वहीं चिकित्सकों के अनुसार घायल की स्थिति गंभीर बनी हुई है और उसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

सक्षम स्थापना दिवस पर सम्भल के कार्यकताओं की गरिमामयी उपस्थिति, सेवा का दिया संदेश

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- सक्षम गाजियाबाद जिला (मेरठ प्रांत) द्वारा सक्षम स्थापना दिवस एवं महान भक्त-कवि संत सूरदास जयंती के अवसर पर केजीडीएस सरस्वती विद्या मंदिर, राजनगर (गाजियाबाद) में गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से संगठन के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, मां सरस्वती के पूजन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष पाण्डेय ने किया। जिला सचिव मंजू गुप्ता ने सक्षम संगठन के उद्देश्य, सेवा कार्यों और दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि समाजसेविका एवं समाधान अभियान की संस्थापिका तथा दिल्ली भाजपा की डेटा हेड अर्चना अग्निहोत्री ने कहा कि किसी भी सभ्य समाज की पहचान दिव्यांग एवं कमजोर वर्ग के प्रति उसकी संवेदनशीलता से होती है। उन्होंने दिव्यांग बच्चों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और समाज से उनके सहयोग का आह्वान किया। मेरठ प्रांत के पूर्णकालिक आशुतोष ने सक्षम के इतिहास, सेवा प्रकल्पों एवं कार्यपद्धति की जानकारी दी। विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या प्रियंका शर्मा ने समावेशी शिक्षा पर बल दिया, जबकि उपाध्यक्ष श्रीराम साहू ने भजन प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विद्यालय के प्रतिनिधि तपनेन्द्र शर्मा ने संत सूरदास के जीवन और साहित्य पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेरठ प्रांत के उपाध्यक्ष वी.पी. साह ने की। उन्होंने समाज में सेवा कार्यों को निरंतर बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर सक्षम संभल के जिला सचिव अनुज वार्ष्णेय 'अन्नू' ने कहा कि संस्था जल्द ही एक विशाल दिव्यांग सम्मेलन आयोजित करेगी, जिसमें दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक साधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

यातायात पुलिस की तत्परता से ऑटो में छूटा बैग हुआ बरामद

नकदी व सामान सहित दंपति को लौटाया बैग, परिवार ने पुलिस का जताया आभार

बबराला/सम्भल (सब का सपना):- जनपद की यातायात पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए ऑटो में छूटे बैग को बरामद कर उसके वास्तविक मालिक दंपति को सकुशल सौंप दिया। पुलिस की इस सराहनीय कार्यवाही से दंपति के चेहरे पर खुशी लौट आई। जानकारी के अनुसार उपनिरीक्षक यातायात अशोक कुमार अपनी टीम के साथ इंदिरा चौक, बबराला पर ड्यूटी पर मौजूद थे। उनके साथ हेड कांस्टेबल रिजवान अली, कांस्टेबल लोकेन्द्र कुमार एवं पीआरडी जवान भूदेव सिंह भी तैनात थे। इसी दौरान एक महिला और पुरुष अपने बच्चों के साथ पुलिस बूथ पहुंचे और बताया कि वे धनारी से बबराला ऑटो से आए थे, लेकिन जल्दबाजी में उनका बैग ऑटो में ही छूट गया। बैग में करीब 1200 रुपये नकद और कपड़े रखे हुए थे। दंपति ऑटो की पहचान भी नहीं कर पा रहा था। सूचना मिलते ही यातायात उपनिरीक्षक अशोक कुमार और उनकी टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए सुरागरसी और पूछताछ शुरू की। काफी प्रयास के बाद संबंधित ऑटो को खोज निकाला गया। जांच करने पर बैग सुरक्षित मिला, जिसे मौके पर ही नकदी और अन्य सामान सहित दंपति को सौंप दिया गया। अपना खोया हुआ सामान वापस मिलने पर दंपति ने यातायात पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए उपनिरीक्षक अशोक कुमार एवं उनकी पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की तत्परता और जनसेवा की भावना की प्रशंसा की।

खाद्य सुरक्षा विभाग का अभियान तेज, गंदगी मिलने पर मिठाई निर्माणशाला बंद, नमूने जांच को भेजे

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग की प्रवर्तन टीम द्वारा जनपदभर में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच अभियान लगातार जारी है। सोमवार को बहजोई और गुन्नौर क्षेत्र में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर अनियमितताएं मिलने पर कार्रवाई की गई तथा खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने बहजोई के कुम्हारन मोहल्ला स्थित अज्जी हलवाई की निर्माणशाला का निरीक्षण किया। जांच के दौरान प्रतिष्ठान संचालक दुकान का खाद्य लाइसेंस तो प्रस्तुत कर सका, लेकिन निर्माणशाला का लाइसेंस नहीं दिखा पाया। निरीक्षण में निर्माणशाला में भारी गंदगी, जर्जर फर्श, दीवारों एवं छत पर जाले, खुली अवस्था में रखी मिठाइयां, मक्खियों की मौजूदगी तथा अन्य कई अनियमितताएं पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान भंडारित पनीर में मिलावट की आशंका के चलते उसका नमूना लेकर प्रयोगशाला भेजा गया। साथ ही निर्माणशाला का संचालन तत्काल प्रभाव से बंद कराते हुए आवश्यक सुधार एवं नियमानुसार लाइसेंस प्राप्त करने के बाद ही दोबारा संचालन करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा गुन्नौर स्थित नन्हू मिठाई शॉप से बर्फी तथा कन्हैया स्वीट्स से गुलाब जामुन का नमूना भी जांच के लिए संग्रहित किया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने बताया कि प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाल एवं बंधुआ श्रम उन्मूलन पर डीएम सख्त, श्रमिकों के अधिकाधिक पंजीकरण के दिए निर्देश

बहजोई/सम्भल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में बाल श्रम उन्मूलन जनपद स्तरीय समिति तथा बंधुआ श्रम प्रथा (उन्मूलन) अधिनियम, 1976 के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय बंधुआ श्रम सतर्कता समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्रमिकों के पंजीकरण, श्रम कानूनों के पालन तथा विभिन्न श्रम कल्याण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में सहायक श्रम आयुक्त राम लखन पटेल ने भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार अधिनियम, औद्योगिक संबंधों, श्रम संहिताओं एवं औद्योगिक प्रतिष्ठानों के पंजीकरण सहित विभिन्न एजेंडा बिंदुओं की जानकारी दी। इस पर जिलाधिकारी ने उद्यान, उद्योग, कृषि सहित सभी संबंधित विभागों को कोल्ड स्टोरेज, औद्योगिक इकाइयों, एफपीओ और प्रोसेसिंग यूनिटों में कार्यरत श्रमिकों का सत्यापन कर उनका पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रमिक पंजीकरण की संख्या में लगातार वृद्धि होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने लंबित औद्योगिक विवादों को समीक्षा पुस्तिका में शामिल करने, राइस मिल, मैंथा उद्योग सहित विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में श्रम कानूनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित सेमिनार आयोजित कराने तथा मनरेगा, ईंट-भट्टों, लाइनमैन एवं असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों का विशेष अभियान चलाकर पंजीकरण कराने के निर्देश दिए। बैठक में यौन उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम के तहत आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) के गठन, ई-श्रम कार्ड, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना, राष्ट्रीय पेंशन योजना (ट्रेडर्स), संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना तथा निरीक्षण एवं अभियोजन की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने श्रम विभाग की योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए प्रत्येक विकास खंड स्तर पर बैठकें आयोजित करने तथा जिला मुख्यालय, तहसील एवं विकास खंड स्तर पर योजनाओं से संबंधित फ्लैक्सी लगाने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक श्रमिक इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर अवधेश कुमार, सहायक श्रम आयुक्त राम लखन पटेल, श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोहम्मद आजम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आईटीआई चन्दौसी के रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले में 84 प्रशिक्षार्थियों का चयन

चन्दौसी/सम्भल (सब का सपना):- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) चन्दौसी में सोमवार को रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। मेले में टाटा मोटर्स पंतनगर, डीएसएम शुगर मिल, स्पार्क मिंडा एसएसडी, ए-वन टेलर चन्दौसी, एसएमआईआईएल (मदरसन ग्रुप) सहित कुल 10 कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया। रोजगार मेले में करीब 200 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया, जिनमें से विभिन्न कंपनियों ने साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया के बाद 84 प्रशिक्षार्थियों का अंतिम रूप से चयन किया। चयनित अभ्यर्थियों में खुशी का माहौल रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के नगर उपाध्यक्ष अभिनव शर्मा ने चयनित प्रशिक्षार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के रोजगार मेले युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम हैं। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह पाल ने भी चयनित प्रशिक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उन्हें मेहनत, अनुशासन और ईमानदारी के साथ अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले को सफल बनाने में अप्रेंटिसशिप प्रभारी देवेंद्र सिंह (राजकीय आईटीआई बबराला), ए.के. वर्मा (कार्यदेशक, बबराला), ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट प्रभारी सुधीर सिंह, अनुदेशक रोबिन सहित संस्थान के सभी अनुदेशकों, अतिथि प्रवक्ताओं एवं कर्मचारियों का विशेष सहयोग रहा।

वाहन जियो टैगिंग के विरोध में व्यापारियों ने मंडी सचिव को सौंपा ज्ञापन, पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- कृषि उत्पादन मंडी समिति नजीबाबाद में वाहन जियो टैगिंग व्यवस्था के विरोध में मंडी व्यापार कमेटी के नेतृत्व में व्यापारियों ने मंडी सचिव को ज्ञापन सौंपा। व्यापारियों ने इस नई व्यवस्था को व्यापार के लिए अव्यावहारिक बताते हुए पुरानी व्यवस्था बहाल किए जाने की मांग की। व्यापारियों ने मंडी सचिव के माध्यम से कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक को भेजे गए ज्ञापन में कहा कि वाहन जियो टैगिंग की अनिवार्यता से व्यापारियों के साथ-साथ अन्य राज्यों से आने वाले वाहन चालकों और कारोबारियों को भी अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना था कि उत्तर प्रदेश का यह नियम अन्य राज्यों के व्यापारियों पर भी लागू होने से भ्रम और दिक्कतें बढ़ गई हैं, जिससे मंडियों में कृषि उपज के आवागमन और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। मंडी व्यापार कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद व्यापारियों को तकनीकी समस्याओं और प्रशासनिक जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। इससे मंडी में कारोबार की गति प्रभावित हो रही है। उन्होंने सरकार से व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए वाहन जियो टैगिंग की अनिवार्यता समाप्त कर पूर्व में लागू व्यवस्था को पुनः बहाल करने की मांग की। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद मंडी सचिव ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उनकी मांगों से संबंधित पत्र शासन स्तर पर विचारार्थ कृषि उत्पादन मंडी परिषद, लखनऊ भेज दिया जाएगा, ताकि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान कराया जा सके। इस दौरान मंडी व्यापार कमेटी के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में व्यापारियों ने एकजुट होकर व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए शासन से शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की।

भाजपा सरकार के खिलाफ सपा का प्रदर्शन, बैरिकेड पार कर डीएम कार्यालय पहुंचे अनुज मलिक

बिजनौर (सब का सपना):- महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, किसानों की समस्याओं तथा एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया में कथित धांधली सहित विभिन्न जनहित के मुद्दों को लेकर समाजवादी पार्टी ने सोमवार को जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने सपा कार्यकताओं को रोकने के लिए सपा कार्यालय के बाहर बैरिकेडिंग कर दी, लेकिन सपा नेता अनुज मलिक बैरिकेड पार करते हुए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंच गए और अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जनसमस्याओं के समाधान की मांग की। जिलाधिकारी को सौंपे गए ज्ञापन में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, किसानों की समस्याओं तथा एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं समेत विभिन्न मुद्दों पर कार्रवाई की मांग की गई। मीडिया से बातचीत में सपा नेता अनुज मलिक ने कहा कि सरकार समाजवादियों की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है, लेकिन समाजवादी पार्टी जनता के मुद्दों पर संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस की बैरिकेडिंग और प्रशासनिक रोक-टोक से पार्टी कार्यकर्ता पीछे हटने वाले नहीं हैं। उनके अनुसार समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से जनता की आवाज बुलंद करती रहेगी। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। सुरक्षा व्यवस्था के बीच कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और बाद में सपा नेताओं ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

ललिता गौतम प्रकरण को लेकर अंबेडकर जनकल्याण समिति का प्रदर्शन, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- मेरठ के चर्चित ललिता गौतम प्रकरण को लेकर बोधिसत्व भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जनकल्याण समिति (पंजीकृत) ने राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी बिजनौर के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग उठाई। समिति ने प्रकरण की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने तथा तत्कालीन मेरठ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की। समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह एडवोकेट के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि मेरठ के रोहटा थाना क्षेत्र की बीए छात्रा ललिता गौतम और उसके परिवार को लंबे समय तक जातिसूचक टिप्पणियों एवं उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। शिकायतों के बावजूद समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण परिवार को अपना घर छोड़ना पड़ा। ज्ञापन में आगे आरोप लगाया गया कि बाद में छात्रा के साथ दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई तथा साक्ष्य मिटाने का प्रयास भी किया गया। समिति ने आरोप लगाया कि आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान तत्कालीन मेरठ एसएसपी अविनाश पांडेय ने प्रदर्शनकारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। ज्ञापन में इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा संबंधित अधिकारी की भूमिका की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की गई है। समिति ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मांग की है कि पीड़ित परिवार को न्याय, सुरक्षा एवं दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध दर्ज मामलों की निष्पक्ष समीक्षा कर निर्दोष लोगों को राहत प्रदान की जाए। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष को निशाना बनाना नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना और कानून के शासन पर जनता का विश्वास बनाए रखना है।

लावारिस गाय का ग्राम प्रधान ने ससम्मान कराया अंतिम संस्कार

अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- रविवार को अकबरपुर रैना में एक लावारिस गाय मृत अवस्था में मिलने पर ग्राम प्रधान ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए उसका ससम्मान अंतिम संस्कार कराया। ग्राम प्रधान की इस पहल की ग्रामीणों द्वारा जमकर सराहना की जा रही है। जानकारी के अनुसार गांव निवासी कौशल राठी के खेत में एक गाय मृत अवस्था में पड़ी मिली। खेत पर पहुंचे किसान ने इसकी सूचना तत्काल ग्राम प्रधान सुनील कुमार गौतम को दी। सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की सहायता से जेसीबी मशीन बुलवाकर गड्ढा खुदवाया तथा गाय को विधिवत मिट्टी में दबवाकर उसका अंतिम संस्कार कराया। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते गाय के शव का निस्तारण नहीं कराया जाता तो आवारा कुत्ते एवं अन्य जानवर उसे नोच सकते थे, जिससे वातावरण भी दूषित होता। ग्राम प्रधान द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल पशु के प्रति संवेदनशीलता दर्शाता है, बल्कि स्वच्छता एवं जनहित की दृष्टि से भी सराहनीय है। इस दौरान कौशल राठी, अमरजीत सिंह, पप्पू सिंह, राहुल राठी, कुलदीप राठी, गौरव राठी, योगेश कुमार, सुधीर कुमार, लड्डू चावक सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। थाना प्रभारी रितेश सिंह ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

धामपुर की बड़ी मंडी में उचक्कों का आतंक बरकरार, 10 मिनट में बाइक से थैला चोरी, CCTV में कैद हुई वारदात

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- नगर की बड़ी मंडी में उचक्कों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से व्यापारी और आम लोग दहशत में हैं। ताजा मामले में गांव सुहागपुर निवासी एक युवक की बाइक पर रखा दवाइयों, कपड़ों और अन्य सामान से भरा थैला महज दस मिनट के भीतर चोरी हो गया। पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार गांव सुहागपुर निवासी आसिफ अपनी पत्नी की दवाई लेने धामपुर आए थे। दवाई खरीदने के बाद वह बड़ी मंडी में सब्जी खरीदने चले गए। इस दौरान उन्होंने अपनी बाइक पर दवाइयों, कपड़ों और अन्य जरूरी सामान से भरा थैला रखा हुआ था। जब करीब दस मिनट बाद वह वापस लौटे तो बाइक पर रखा थैला गायब मिला। पीड़ित के अनुसार चोरी हुए सामान की कीमत करीब चार हजार रुपये है। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाद में आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, जिसमें एक संदिग्ध व्यक्ति थैला लेकर जाता दिखाई दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में लेकर उचक्के की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि पिछले चार महीनों में बड़ी मंडी में यह चोरी की 13वीं घटना है। लगातार हो रही वारदातों से व्यापारियों और ग्राहकों में भारी आक्रोश है। उनका आरोप है कि बाजार में पर्याप्त पुलिस गश्त और निगरानी नहीं होने के कारण उचक्कों के हौसले बुलंद हैं।

भारत स्काउट और गाइड अमरोहा के पदाधिकारियों ने नवागत जिलाधिकारी नितिन गौड़ से की शिष्टाचार भेंट

अमरोहा (सब का सपना):- भारत स्काउट और गाइड, अमरोहा के जनपद स्तरीय पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिलाधिकारी डॉ नितिन गौड़ से एक शिष्टाचार भेंट की। इस बैठक के दौरान जनपद में स्काउट और गाइड की समस्त गतिविधियों और आगामी कार्य योजनाओं के विषय में विस्तार से चर्चा की गई।

इस शिष्टाचार बैठक के दौरान प्रादेशिक उपाध्यक्ष व जे.एस. हिंदू इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. जी.पी. सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट) आदिल अब्बासी, जिला आयुक्त (गाइड) स्नेहलता, जिला कोषाध्यक्ष चारू शर्मा, जिला सचिव अनिल कुमार, जिला प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) अतुल कुमार कौशिक, ट्रेनिंग काउंसलर अमन और जिला ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर (स्काउट) अजय कुमार के द्वारा नवागत जिलाधिकारी डॉ नितिन गौड़ को पुष्पगुच्छ भेंट किया गया, साथ ही सभी अधिकारियों का स्वागत स्कार्फ पहना कर किया गया। बैठक का सफल संचालन जिला ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर अजय कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने उपस्थित सभी पदाधिकारियों का परिचय कराया। वातार्लाप के दौरान स्काउट-गाइड के जिला कार्यालय को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा उसकी बाउंड्री वॉल (चारदीवारी) का जीर्णोद्धार कराने को लेकर जिलाधिकारी से विस्तार से बात हुई। इसके साथ ही, जिला परिषद की आगामी महत्वपूर्ण बैठक को अगस्त माह के मध्य में आयोजित कराने का भी निर्णय लिया गया। बैठक में जिलाधिकारी डॉ नितिन गौड़ और अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह ने गंगा मेला के दौरान स्काउट्स द्वारा किए जाने वाले विशेष सेवा कार्य खोया-पाया केंद्र' की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अधिकारियों ने कहा कि मेले में बिछड़े लोगों को उनके परिवार से मिलाने का यह कार्य अत्यंत सराहनीय और मानवीय सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

आगामी महाशिवरात्रि कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत थाना अमरोहा देहात में पुलिस अधिकारियों द्वारा की गई गोष्ठी आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को थाना अमरोहा देहात परिसर में क्षेत्राधिकारी नौगांवा सादात एवं प्रभारी निरीक्षक थाना अमरोहा देहात द्वारा आगामी महाशिवरात्रि कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित संपन्न कराए जाने के उद्देश्य से थाना क्षेत्र में ड्यूटी पर तैनात अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी के दौरान उपस्थित पुलिस बल को उच्चाधिकारियों द्वारा निर्गत आदेशों एवं दिशा-निर्देशों से अवगत कराया गया तथा कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, श्रद्धालुओं की सुविधा, संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता, भीड़ नियंत्रण, त्वरित पुलिस रिस्पांस एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों द्वारा सभी पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि ड्यूटी के दौरान पूर्ण अनुशासन, सतर्कता एवं सजगता के साथ कार्य करें। श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण एवं शालीन व्यवहार बनाए रखें तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को देते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त कांवड़ यात्रा मार्ग पर निरंतर भ्रमणशील रहकर संदिग्ध व्यक्तियों एवं गतिविधियों पर पैनी निगरानी रखने, यातायात को सुचारु बनाए रखने तथा आमजन एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए गए।

पंजाब के निजी स्कूलों की मनमानी पर लगाम, राज्यपाल ने आर्डिनेंस को दी मंजूरी; अब 5% से ज्यादा नहीं बढ़ेगी फीस

चंडीगढ़। पंजाब में निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर अंकुश लगाने की दिशा में राज्य सरकार को बड़ी सफलता मिली है। पंजाब के राज्यपाल ने "द पंजाब रेगुलेशन आफ फी आफ अनएडेड एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस (अमेंडमेंट) आर्डिनेंस, 2026" पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके साथ ही अब राज्य के निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूल अपनी मर्जी से फीस में 5 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी नहीं कर सकेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने स्वयं इस संबंध में जानकारी साझा करते हुए राज्यपाल का आभार जताया और इसे पंजाब के विद्यार्थियों तथा अभिभावकों के हित में लिया गया बड़ा फैसला बताया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्यपाल ने बच्चों और अभिभावकों के हित में लिए गए सरकार के महत्वपूर्ण निर्णय पर अपनी मंजूरी देकर बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से निजी स्कूलों की ओर से मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने की शिकायतें मिल रही थीं, जिससे आम परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा था। इसी को देखते हुए सरकार यह संशोधन अध्यादेश लेकर आई थी। अब मनमानी नहीं कर पाएंगे स्कूल मुख्यमंत्री के अनुसार, अध्यादेश लागू होने के बाद अब कोई भी निजी स्कूल अपनी इच्छा के अनुसार फीस नहीं बढ़ा सकेगा। यदि फीस में वृद्धि करनी होगी तो वह निर्धारित सीमा के भीतर ही संभव होगी और 5 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी नहीं की जा सकेगी। सरकार का मानना है कि इससे लाखों अभिभावकों को राहत मिलेगी और शिक्षा के नाम पर होने वाली मनमानी पर रोक लगेगी। इंटरनेट मीडिया पर साझा किए गए संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा को व्यापार नहीं बनने देगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और सरकार आम लोगों की जेब पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक बोझ को कम करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है, न कि शिक्षा को कमाई का माध्यम बनने देना। 10 जुलाई को हुए हस्ताक्षर उधर, सामने आए आधिकारिक पत्र के अनुसार, लोक भवन, पंजाब स्थित राज्यपाल सचिवालय ने 10 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव को पत्र भेजकर सूचित किया कि 9 जुलाई 2026 को राज्यपाल ने "द पंजाब रेगुलेशन आफ फी आफ अनएडेड एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस (अमेंडमेंट) आर्डिनेंस, 2026" पर विधिवत हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके साथ अध्यादेश की मूल हस्ताक्षरित प्रति और स्कूल शिक्षा विभाग की संबंधित फाइल भी सरकार को आवश्यक कार्रवाई के लिए वापस भेज दी गई है। राज्य सरकार का कहना है कि यह कदम शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

रबी 2026-27 के लिए अनुदानित बीज बुकिंग शुरू, किसान समय से कराएं आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):- कृषि विभाग द्वारा रबी सत्र 2026-27 के लिए राजकीय कृषि बीज भंडारों से अनुदान पर बीज एवं निःशुल्क बीज मिनी किट उपलब्ध कराने हेतु प्रथम चरण की ऑनलाइन बुकिंग प्रारंभ कर दी गई है। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे समय रहते अपनी बुकिंग कर योजना का लाभ उठाएं। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि किसान भाई विभाग की वेबसाइट www.agriculture.up.gov.in के माध्यम से स्वयं ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसान अपने निकटतम कृषि विभाग कार्यालय अथवा राजकीय बीज भंडार पर कार्यालय समय में जाकर भी सुविधानुसार बुकिंग करा सकते हैं। प्रथम चरण में विभिन्न फसलों की बुकिंग निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार की जाएगी। तोरिया के लिए बुकिंग 2 जुलाई 2026 से 16 अगस्त 2026 तक होगी तथा 17 अगस्त 2026 को ई-लॉटरी आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार दलहनी फसलें (चना, मटर एवं मसूर) तथा तिलहनी फसलें (राई/सरसों एवं अलसी) के लिए बुकिंग 10 जुलाई से 10 सितंबर 2026 तक चलेगी तथा 11 सितंबर 2026 को ई-लॉटरी होगी। गेहूं एवं जौ के बीज के लिए बुकिंग 10 जुलाई से 30 सितंबर 2026 तक होगी तथा 1 अक्टूबर 2026 को ई-लॉटरी के माध्यम से चयन किया जाएगा। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि द्वितीय एवं तृतीय चरण की बुकिंग प्रथम चरण के बाद 7-7 दिन के अंतराल पर खोली जाएगी। प्रत्येक चरण 3 दिनों का होगा। सोमवार से बुधवार तक बुकिंग होगी, गुरुवार को ई-लॉटरी आयोजित की जाएगी।

इसके बाद शुक्रवार से रविवार तक पुनः बुकिंग तथा अगले सोमवार को ई-लॉटरी कराई जाएगी। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार ने सभी किसानों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित समयावधि में अपना आवेदन एवं बीज बुकिंग अवश्य कराएं, ताकि अनुदानित बीज एवं निःशुल्क बीज मिनी किट योजना का अधिकतम लाभ प्राप्त किया जा सके।

चंडीगढ़ में किसानों का प्रदर्शन, पुलिस ने रूट किए डायवर्ट; जाम के डर से कई स्कूलों में समय से पहले छुट्टी

चंडीगढ़। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के विरोध और अपनी मांगों को लेकर पंजाब के किसानों ने अपनी ताकत का अहसास कराने के मकसद से सोमवार को चंडीगढ़ में प्रदर्शन किया। किसानों ने बाइक्स रैली निकाली। ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को रूट्स डायवर्ट करने पड़े। ऐसे में जाम की वजह से बच्चों को परेशानी न हो तो सेक्टर-32 और 45 के कई स्कूलों में जल्दी छुट्टी कर दी गई है। 12:30 बजे अभिभावकों को बच्चों को ले जाने के लिए कहा गया है। किसानों की बाइक रैली सुबह मोहाली के फेज-8 नेचर पार्क से शुरू होकर चंडीगढ़ के सेक्टर-34 ग्राउंड पहुंची। किसान बाइक्स को गाड़ियों में लोड कर लाए। रैली के कारण शहर के कई प्रमुख मार्गों, जैसे- सेक्टर-42 जंक्शन, सेक्टर 35-43 डिवाइडिंग रोड और किसान भवन चौक पर लंबा जाम लग गया। सुरक्षा और व्यवस्था को देखते हुए चंडीगढ़ व मोहाली पुलिस पूरी तरह अलर्ट रही। सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3 बजे तक कई रूटों पर डायवर्जन लागू किया था। एडवाइजरी जारी कर लोगों को वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करने की सलाह दी गई।

पीएम किसान निधि के नाम पर किसान से लाखों की ठगी

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- महुआ खेडा निवासी किसान के साथ पीएम किसान सम्मान निधि न्यू रजिस्ट्रेशन एपीके नाम से आये फर्जी लिंक के जरिए लगभग 3लाख 90 हजार 990 रूपए की धोखाधड़ी हुई है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव महुआ खेडा निवासी किसान समय सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह ने बताया कि जून महीने में उसके मोबाइल पर पीएम किसान निधि के नाम से एक लिंक आया था। लिंक में 2026 केवाईसी अपडेट करने की बात कही गई थी। विश्वास कर उन्होंने लिंक पर क्लिक कर दिया। जिसके बाद उनका मोबाइल व व्हाट्सएप्प दोनों हैक हो गये।इसके बाद ठगों ने उनके बैंक खाते से कई बार में लाखों रुपए निकाल लिए। पीड़ित ने बताया कि पहली बार में 90 हजार उसके बाद 50 हजार,9999 रुपए,9997.99 रुपए,79,997,87 रुपए इस प्रकार ठगों ने उनके खाते से कुल 3 लाख 50 हजार रुपए ठग लिए। नरसेना थाना प्रभारी रामकिशोर गौतम ने बताया कि किसान के खाते से हुई ठगी के मामले में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया,और उसकी जाच पड़ताल भी की जा रही है।

शौर्य चक्र से सम्मानित कैप्टन से 36 लाख की धोखाधड़ी, पिता-पुत्र पर मुकदमा दर्ज

स्याना/बुलंदशहर (सब का सपना):- शौर्य चक्र से सम्मानित सेवानिवृत्त कैप्टन से जमीन बेचने के नाम पर 36 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने पिता-पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। खानपुर थाना क्षेत्र के गांव सौजना झाया निवासी कैप्टन गोपी सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 25 मार्च 2026 को गांव के ही चीनू पुत्र मंगू से जमीन का सौदा तय हुआ था। सौदे के एवज में उन्होंने 36 लाख रुपये अदा कर दिए थे। आरोप है कि तय समय पर न तो जमीन का बैनामा कराया गया और न ही रकम वापस की गई। बाद में आरोपी ने एक माह का और समय मांगा, लेकिन उसके बाद भी वादा पूरा नहीं किया। एसपी से शिकायत के बाद थाना खानपुर में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है। थाना प्रभारी रितेश सिंह ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में सब-इंस्पेक्टर ने सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मारी, पुलिस महकमे में शोक की लहर

पूर्वी दिल्ली। मधु विहार थाना में तैनात दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर सोमेश मीणा ने सोमवार को अपनी सरकारी सर्विस पिस्टल से खुद को गोली मार ली। घटना के बाद पुलिस महकमे में शोक का माहौल है। मृतक वर्ष 2019 बैच के सब-इंस्पेक्टर बताए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना थाने के ऊपर स्थित पुलिस बैरक में हुई। गोली चलने की आवाज सुनकर पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे, जहां सब-इंस्पेक्टर गंभीर हालत में मिले। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सुसाइड नोट और वजहों की तलाश में पुलिस घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि घटना से पहले सब-इंस्पेक्टर की मानसिक स्थिति कैसी थी और क्या उन्होंने कोई सुसाइड नोट छोड़ा है। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

खाने की डिलीवरी में देरी पर युवक की चाकू मारकर हत्या, दिल्ली पुलिस ने दो आरोपी किए गिरफ्तार

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में बदरपुर के बाद अब अंबेडकर नगर थाना क्षेत्र में भी युवक की चाकू से वार कर हत्या का मामला सामने आया है। खाने की डिलीवरी समय पर न होने से नाराज दो लोगों ने युवक पर हमला बोल दिया। गंभीर रूप से घायल 18 वर्षीय कृष्ण रोशन को एम्स ट्रामा सेंटर भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है। वहीं, मामले में एफआइआर दर्ज कर दोनों आरोपित राहुल उर्फ धोबी और राहुल तोमर उर्फ मोटा को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों दोनों सुभाष कैंप, दक्षिणपुरी के रहने वाले हैं। युवक के घायल होने की सूचना मिली पुलिस के मुताबिक, घटना 10 जुलाई के रात की है। टीम को रात लगभग 9.30 बजे चाकूबाजी और एक युवक के घायल होने की सूचना मिली। टीम मौके पर पहुंची तो कृष्ण रोशन जमीन पर लहूलहान पड़े मिले। उन्हें एम्स ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया, जहां बाद में उनकी मौत हो गई। डिलीवरी न होने से नाराज हुए युवक जांच में पता चला कि हत्या की वजह खाने की डिलीवरी को लेकर विवाद था। खाने के सामान की डिलीवरी न होने से नाराज आरोपितों ने पहले कृष्ण के झगड़ा किया। विवाद ने बाद में हिंसक रूप ले लिया, जिसके बाद दोनों आरोपितों ने युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। टीम ने एफआइआर दर्ज कर दोनों आरोपितों को वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर जहांपनाह सिटी फारेस्ट से पकड़ लिया और अपराध में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद किया। आगे की जांच जारी है।

दिल्ली के यमुना खादर क्षेत्रों में फिर बसीं 10 हजार झुग्गियां, डीडीए ने पिछले साल चलाया था बुलडोजर

पूर्वी दिल्ली। दिल्ली में यमुना खादर क्षेत्रों में करीब दस हजार लोग अवैध रूप से बसे हुए हैं। पिछले वर्ष डीडीए ने मयूर विहार व पुराना लोहा पुल के पास अवैध रूप से बसी झुग्गियों पर बुलडोजर चलाया था। इस कार्रवाई के बाद भी यहां लोग अवैध रूप से रह रहे हैं। आरोप है कि डीडीए के अधिकारियों से सांठगांठ करके लोगों ने अपना बसेरा बनाया हुआ है। कुछ दिनों यमुना का जलस्तर बढ़ने के उम्मीद है। हर वर्ष की तरह इस बार भी सरकार को यहां अवैध रूप से रहने वाले लोगों के लिए शिविर लगाने होंगे। उसपर लाखों रुपये खर्च करने होंगे। मयूर विहार, पुराना लोहा पुल, कश्मीरी गेट, उस्मानपुर, सिग्नेचर ब्रिज के पास, बदरपुर खादर गांव के आसपास यमुना खादर में लोग रह रहे हैं। डीडीए दावा करता है कि अवैध रूप से रहने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। लेकिन सवाल यह है कि अगर कार्रवाई होती है तो उसका असर नजर क्यों नहीं आ रहा है। खादर में रहने वाले अधिकतर लोग बिहार व उत्तर प्रदेश से हैं। वह खादर क्षेत्र में अवैध रूप से रहकर सब्जी व फल बेचने व कपड़ा फैरी का काम करते हैं। मयूर विहार खादर क्षेत्र में रहने वाले कई लोगों का यह तक कहना है कि वह झुग्गी को किराये पर लेकर रह रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार करने के बाद खादर क्षेत्र को खाली करवाया जाएगा। शिविर लगाने का ठेका दिया जा चुका है। जो लोग खादर में रहते हैं, उन्हें शिविरों में रूकाया जाएगा। वहीं डीडीए का कहना है कि अतिक्रमण के खिलाफ डीडीए समय-समय पर खादर क्षेत्र में कार्रवाई करता है। जहां भी अतिक्रमण है, उसे हटाया जाएगा।

16 अगस्त को डिबाई में निकलेगी वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी की भव्य शोभायात्रा

विधायक सीपी सिंह लोधी की अध्यक्षता में समिति का किया गया गठन

डिबाई/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर के सरस्वती शिशू मंदिर डिवाई में वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी की जयंती के अवसर पर आगामी 16 अगस्त को डिबाई विधानसभा क्षेत्र में भव्य एवं ऐतिहासिक शोभायात्रा के आयोजन की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में क्षेत्रीय विधायक सीपी सिंह लोधी की अध्यक्षता में समिति की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प लिया। सर्वसम्मति से महिपाल सिंह एडवोकेट को आयोजन समिति का अध्यक्ष,भुवनेश मथुरिया को महामंत्री तथा केपी सिंह को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अतिरिक्त उपाध्यक्ष छत्रपाल सिंह,राहुल लोधी उपाध्यक्ष भोला भैया एडवोकेट, उपाध्यक्ष रामवीर सिंह उपाध्यक्ष एवं हुकम सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं महामंत्री मुकेश,कुमार,महामंत्री किशन कुमार महामंत्री एवं रविंद्र कुमार महामंत्री को महामंत्री का दायित्व सौंपा गया।बैठक में गत वर्ष के अध्यक्ष नरेश प्रधान महामंत्री चंद्रवीर सिंह लोधी(आढती) ने सभी का स्वागत किया एवम हुकुम सिंह ने गत वर्ष के आय व्यय का ब्यौरा

प्रस्तुत किय ।वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी भारतीय इतिहास की महान वीरांगनाओं में अग्रणी स्थान रखती हैं। उनका साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति आज भी समाज को प्रेरित करती है।उन्होंने कहा कि महापुरुषों और वीरांगनाओं का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है तथा उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। समाज अपनी गौरवशाली विरासत को सहेजते हुए इस वर्ष जयंती समारोह को और अधिक भव्य रूप देगा। बैठक में अनार सिंह लोधी डिबाई ब्लाक प्रमुख पति,के पी सिंह पूर्व(आई जी),मलखान सिंह लोधी, कलियाँन सिंह,अजय लोधी भट्टेवाले,राकेश लोधी,राजवीर सिंह एडवोकेट, बीरपाल सिंह लोधी,कृष्णा राष्ट्रवादी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे समिति के अनुसार इस वर्ष डिबाई तहसील में निकलने वाली वीरांगना महारानी अवंतीबाई लोधी की शोभायात्रा में जनसैलाब उमड़ेगा। शोभायात्रा में क्षेत्र के अनेक गांवों, कस्बों और आसपास के जनपदों से हजारों की संख्या में समाजबंधु, महिलाएं, युवा एवं गणमान्य नागरिक शामिल होने का अनुमान है। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां,बैंड-बाजे,सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी के शौर्य और बलिदान पर आधारित संदेश इस आयोजन का प्रमुख आकर्षण होंगे। समिति ने सभी समाजबंधुओं एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया

ट्रेनों में बिना टिकट सफर करने वालों की अब खैर नहीं! दिल्ली मंडल के स्टेशनों पर वसूला गया मोटा जुमार्ना

नई दिल्ली। बिना टिकट यात्रा करने और ट्रेनों में अनाधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए दिल्ली मंडल में पिछले कुछ दिनों से विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में अलग-अलग रेलवे स्टेशनों और रूट पर चेकिंग कर बिना टिकट पकड़े गए यात्रियों से जुमार्ना वसूला जा रहा है। 111 यात्रियों से 1,11,700 रुपये का जुमार्ना वसूला आनंद विहार टर्मिनल एवं नई दिल्ली रेलवे स्टेशनों पर चेकिंग अभियान बिना टिकट यात्रा करने वाले 111 यात्रियों को पकड़ा गया। उनसे 1,11,700 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य है कि यात्री वैध टिकट के साथ यात्रा करें और ट्रेनों में अनाधिकृत प्रवेश को रोका जा सके। बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्री न केवल रेलवे के राजस्व को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि वैध टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों के अधिकारों का भी उल्लंघन करते हैं। यात्री सुरक्षा के लिए भी यह गंभीर मामला है। दिल्ली के मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश रमण त्रिपाठी ने वैध टिकट के साथ यात्रा करने के महत्व पर जोर दिया है। उनका कहना है कि लोगों को वैध टिकट के साथ यात्रा करना चाहिए। जांच के समय टिकट चेकिंग स्टाफ का सहयोग करने की भी सलाह दी है।

100 करोड़ बढ़ा खर्च, फिर भी दिल्ली की सड़कों पर नहीं बढ़ी हरियाली; पीडब्ल्यूडी की नई व्यवस्था पर उठे सवाल

नई दिल्ली। सड़कों के किनारे हरियाली बढ़ाने और उसके रखरखाव पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का खर्च 100 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गया है, लेकिन राजधानी की सड़कों पर इसका अपेक्षित असर दिखाई नहीं दे रहा। हरियाली अब भी वर्षा के भरोसे विभाग ने अक्टूबर 2024 में जिन 68 कंपनियों को तीन वर्ष के लिए सड़कों के किनारे हरियाली के विकास और रखरखाव का कार्य सौंपा था, उनके अनुबंध निरस्त कर नई व्यवस्था के तहत चार कंपनियों को जिम्मेदारी दे दी है। नई व्यवस्था में परियोजना की लागत 174 करोड़ रुपये से बढ़कर 275 करोड़ रुपये पहुंच गई है। सरकार पर 100 करोड़ से अधिक का वित्तीय बोझ इस प्रकार ठेके बदलने के साथ सरकार पर 100 करोड़ रुपये से अधिक का अतिरिक्त वित्तीय बोझ आ गया, लेकिन राजधानी की अधिकांश प्रमुख सड़कों पर हरियाली की स्थिति में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं दिख रहा है। कई स्थानों पर पौधों की वृद्धि अपेक्षा से कम है। पिछले दिनों हुई वर्षा में कुछ स्थानों पर पेड़ लगाए गए थे, मगर उनकी भी सुध लेने वाला कोई नहीं है। सड़कों के बीच सेंट्रल वर्ज और किनारों पर विकसित किए गए हरित क्षेत्र भी नियमित सिंचाई और रखरखाव के अभाव में प्रभावित हो रहे हैं। 68 की जगह 4 कंपनियों को जिम्मा जानकारों का कहना है कि हरियाली विकसित करने के लिए केवल पौधारोपण पर्याप्त नहीं होता। नियमित सिंचाई, समय पर छंटाई, खाद और पौधों की सुरक्षा जैसी व्यवस्थाएं भी उतनी ही जरूरी हैं। मौजूदा स्थिति में कई स्थानों पर हरियाली का भविष्य अब भी वर्षा पर निर्भर दिखाई देता है। यदि मानसून सामान्य रहा तो पौधों को कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन वर्षा कम होने पर हरियाली के सूखने का खतरा है। सूत्रों के अनुसार नई एजेंसियों को बेहतर निगरानी, रखरखाव और परिणाम आधारित कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि अब तक जमीन पर इसका प्रभाव दिखाई नहीं दिया है। राजधानी में प्रदूषण कम करने और शहरी तापमान नियंत्रित रखने के लिए सड़क किनारे हरियाली का विस्तार महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में बढ़े हुए बजट के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से परियोजना की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं।

लाल किला ब्लास्ट केस: डॉक्टर उमर समेत सभी 12 मृतकों के अंतिम संस्कार को कोर्ट की मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को नेशनल इन्वेस्टिगेटिंग एजेंसी (एनआईए) को पिछले साल नवंबर में लाल किले के पास कार बम धमाके में मारे गए 11 लोगों के शवों का अंतिम संस्कार करने की इजाजत दे दी। स्पेशल जज पीतांबर दत्त ने एजेंसी को आत्मघाती धमाके में मारे गए कार के ड्राइवर डॉ. उमर उन नबी के शरीर के अंगों को भी दफनाने की इजाजत दे दी। अदालत ने कहा कि पीड़ितों की धार्मिक मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए शरीर के अंगों का निपटारा पूरी गरिमा के साथ किया जाना चाहिए। अदालत ने नेशनल इन्वेस्टिगेशन

एजेंसी (एनआईए) से इस पर अमल की रिपोर्ट भी मांगी। NIA ने अदालत को बताया कि पीड़ितों और आत्मघाती हमलावर नबी के शरीर के अंगों से फोरेंसिक सबूत इकट्ठा कर लिए गए हैं। इससे पहले उसने शरीर के अंगों को निपटाने के लिए अदालत से इजाजत मांगी थी, क्योंकि वे सड़ने लगे थे। एनआईए ने धमाके के सिलसिले में 7500 पन्नो की चार्जशीट दाखिल की एनआईए ने 14 मई को उस आईईडी धमाके के सिलसिले में 7,500 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी, जिसने पिछले साल 10 नवंबर को राजधानी को हिलाकर रख दिया था।

पिछले महीने एनआईए ने धमाके में शामिल होने के आरोप में तीन और लोगों के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की। इनमें एक फरार पीडियाट्रिशियन भी शामिल है, जिसकी पहचान एक टेरर मॉड्यूल के संस्थापक सदस्य के तौर पर हुई है। इस मामले में दायर चार्जशीट में शामिल किए गए लोगों की संख्या नबी समेत 13 हो गई है।

दिल्ली एचसी का बड़ा फैसला, सरकारी गवाह पर मुकदमे के दौरान ही सवाल उठा सकता है सह-आरोपित; याचिका खारिज

नई दिल्ली। किसी आपराधिक मामले में सह-आरोपित को दूसरे आरोपित की माफी याचिका का विरोध करने का अधिकार नहीं है। दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि माफी मिलने के बाद सरकारी गवाह बने सह-आरोपित की गवाही की विश्वसनीयता को मुकदमे के दौरान जिरह के जरिये चुनौती दी जा सकती है। सीआरपीसी की धारा 306 पर अदालत की टिप्पणी न्यायमूर्ति जसमीत सिंह ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 306 प्रत्येक सह-आरोपित को माफी की कार्यवाही में सुनवाई का अधिकार नहीं देती। किसी आरोपित को माफी देना अपने आप में अन्य सह-आरोपितों के हितों के खिलाफ नहीं है और न ही इससे उनकी

दोषसिद्धि हो जाती है। मुकदमे के दौरान उठाए जा सकते हैं सवाल अदालत ने कहा कि सरकारी गवाह का बयान मुकदमे के दौरान दर्ज होता है और सह-आरोपितों को उससे जिरह करने का पूरा अवसर मिलता है। इसी स्तर पर उसकी विश्वसनीयता और गवाही की सत्यता पर सवाल उठाए जा सकते हैं। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई सुनवाई हाई कोर्ट मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में आरोपित कंपनी की अर्जी पर सुनवाई कर रहा था। कंपनी ने वर्ष 2024 के उस आदेश को वापस लेने की मांग की थी, जिसमें एक अन्य आरोपित को माफी देकर सरकारी गवाह बनने की अनुमति दी गई थी। कंपनी का तर्क था कि वह मामले में आवश्यक पक्षकार थी, लेकिन आदेश पारित करने से पहले उसे सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया। हाई कोर्ट ने अर्जी खारिज की हाई कोर्ट ने कंपनी की आशंकाओं को समय से पहले बताते हुए कहा कि आवेदक और अन्य सह-आरोपितों को मुकदमे के दौरान सरकारी गवाह से जिरह करने और उसकी गवाही की विश्वसनीयता को चुनौती देने का पर्याप्त अवसर मिलेगा। अदालत ने आदेश में किसी प्रक्रियागत खामी या प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन नहीं पाते हुए अर्जी खारिज कर दी।

यमुना नदी में नहाते वक्त बड़ा हादसा, 4 बच्चे तेज बहाव में बहे; दिल्ली के अलीपुर में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

बाहरी दिल्ली। अलीपुर थाना इलाके में स्थित यमुना नदी में नहाने गए पांच बच्चों में से चार बच्चे गहरे पानी में बह गए। चारों बच्चे इब्राहिमपुर के बताए जाते हैं। इनमें से किसी की भी अभी डेड बॉडी नहीं मिली है और वोट क्लब के गोताखोर मौके पर मौजूद हैं। पुलिस का कहना है कि रविवार की शाम 7:45 बजे पुलिस स्टेशन अलीपुर में यमुना नदी में बच्चों के डूबने की सूचना डीडी नंबर 65ए के तहत प्राप्त हुई। डीडी एंट्री की सूचना एसआई प्रियंका को सौंपी गई, जो तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं। नहाने के दौरान हादसा घटनास्थल पर पहुंचने पर पता चला कि पांच नाबालिग लड़के ठोकर नंबर 24 पर यमुना नदी में स्नान करने गए थे। स्नान के दौरान, राहुल, अंशु, सौरभ और अमनदीप नाम के

चार लड़के कथित तौर पर नदी में डूब गए। पांचवां लड़का, संतोष का पुत्र लकी, जिसकी उम्र लगभग 14 वर्ष थी, जो बाहर ही रहा, उसने शोर मचाया। बचाने का किया प्रयास उसकी चीखें सुनकर पास के खेतों में काम कर रहे स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और बच्चों को बचाने का प्रयास किया। हालांकि, जब तक वे पहुंचे, चारों लड़के नदी की तेज धारा में बह कर गायब हो चुके थे। बचाव अभियान जारी पुलिस के अनुसार डूबे हुए लड़कों की पहचान राहुल, अंशु, सौरव और अमनदीप के तौर पर की गई है। चारों इब्राहिमपुर के रहने वाले बताए जाते हैं। एक अधिकारी ने बताया कि एनडीआरएफ, डीडीएमए, अग्निशमन विभाग और संबंधित एसडीएम को सूचित कर दिया गया है और घटनास्थल पर बचाव अभियान शुरू कर दिया गया है। शव मिलने के बाद होगी कानूनी कार्रवाई स्थानीय पुलिस अधिकारी बचाव एजेंसियों के साथ समन्वय कर रहे हैं और लापता बच्चों का पता लगाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बाद शवों की बरामदगी होने पर, बीएनएसएस के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत जांच कार्यवाही सहित आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी।

दिल्ली में बंपर भर्तियां, आम लोगों के लिए बंद होगा लालकिला; आज कराएं डीडीए से जुड़ी समस्या का समाधान

नई दिल्ली। अगर आप दिल्ली में रहते हैं तो यह खबर आप के लिए बहुत काम की है। जहां, दिल्ली सरकार ने कई पदों पर नई भर्तियां निकाली हैं तो वहीं आज आप डीडीए की जनसुनाई में भी हिस्सा ले सकते हैं। आइए आपको पांच ऐसी बातें बताएंगे जो आपके बहुत काम आने वाली है। 15 जुलाई से आम लोगों के लिए लालकिला बंद दिल्ली में 15 जुलाई यानी बुधवार से आम लोगों के लिए लालकिला बंद कर दिया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर यह निर्णय लिया गया है। क्योंकि लालकिला में हर साल स्वतंत्रता दिवस पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। दिल्ली में नए पदों पर भर्तियां दिल्ली सरकार ने नोटिफिकेशन जारी करते हुए बताया कि कई सरकारी पदों पर भर्तियां (दिल्ली सरकार की नौकरियां 2026) निकाली गई हैं। दिल्ली अभीनस्थ सेवा चयन बोर्ड ने 1979 पदों पर नई भर्तियां निकाली हैं। इसमें आईटी विभाग, फोरेंसिक लाइंस लैब, शिक्षा निदेशालय, एनडीएमसी में कई पदों पर भर्तियां निकली है।

इन नौकरियों के लिए अभ्यार्थी 15 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। डीडीए में आज से जनसुनवाई दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए, डीडीए) ने दिल्ली वासियों की समस्याओं के लिए जनसुनवाई का आयोजन रखा है। दिल्लीवासी डीडीए से जुड़े अपने किसी भी मामले को लेकर जनसुनवाई में हिस्सा ले सकते हैं। डीडीए के अधिकारियों से मिलने का समय 2:30 से 4:30 बजे तक रखा गया है। इस समय के बीच आप अधिकारियों से मिलकर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं। छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन दिल्ली में छात्रवृत्ति योजना के लिए पंजीकरण शुरू हो गए हैं। नेशनल मीन्स-कम-मेरिट स्कॉलरशिप स्कीम (एनएमएमएसएस) के लिए पोर्टल पर नए और रिन्युअल वाले छात्रों का पंजीकरण शुरू हो गया है। छात्र 15 जुलाई तक ही पंजीकर करा सकते हैं। आरएमएल अस्पताल में डॉक्टरों की नियुक्ति दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में वरिष्ठ डॉक्टरों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है। हालांकि, यह भर्तियां संविदा के रूप में की जाएगी। 123 पदों पर विभिन्न विभागों के लिए भर्तियां निकली हैं। वॉक इन इंटरव्यू के लिए 14, 15 और 16 जुलाई की तारीख रखी गई है।

वायरल संक्रमण से सुरक्षित रहेंगे आपके बच्चे

इस मौसम में वायरल संक्रमण की आशंका काफी बढ़ जाती है। प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण खासकर बच्चे इसकी चपेट में सबसे ज्यादा आते हैं, लेकिन आप अपने बच्चे को इन संक्रमणों की चपेट में आने से वक्त रहते बचा सकते हैं। वायरल संक्रमणों में भी रोटावायरस और एंटरिक वायरल (आंत संबंधी संक्रमण) जैसी बीमारियां बड़ों की तुलना में बच्चों के लिए अधिक गंभीर खतरा पैदा करती हैं।

बाल अवस्था के ज्यादातर वायरल संक्रमण ज्यादा गंभीर नहीं होते। इनमें सर्दी लगना, नाक बहना, आंखों से पानी निकलना, गले में खराश होना, बुखार होना, त्वचा पर चकत्ते पड़ना और उल्टी व दस्त जैसी विभिन्न बीमारियां शामिल हैं। व्यापक पैमाने पर चलाए गए टीकाकरण के चलते खसरा जैसे गंभीर खतरे पैदा करने वाली कुछ संक्रामक बीमारियां अब कम ही देखने को मिलती हैं।

...तो बच्चे को डॉक्टर के पास ले जाएं

यदि आपके बच्चे में बीमारी के लक्षण एक सप्ताह से ज्यादा दिखाई दें, तो उसे डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। यह शरीर की तरफ से स्पष्ट तौर पर वायरल संक्रमण के खिलाफ एक कॉल हो सकती है, जो न्यूमोनिया आदि जैसी गंभीर बीमारी में बदल सकती है। ऐसे समय में बच्चे का रक्त परीक्षण कराकर मलेरिया, डेंगू, टाइफॉइड, चिकनगुनिया, अर्बोवायरस आदि बीमारियों समेत संपूर्ण ब्लड काउंट अवश्य जांच लेना चाहिए। मौसम में बदलाव या भारी बारिश होने के दौरान अभिभावक अमूमन अपने बच्चों की अतिरिक्त देखभाल करते ही हैं, लेकिन यह जानना बेहद अहम है कि बच्चों को अन्य मौसम में भी अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है।

बच्चों को सुरक्षित रखने के उपाय

रूमाल की जगह टिश्यू पेपर रखें : अभिभावक आमतौर पर अपने बच्चों की बहती नाक और मुंह बार-बार पोंछने के लिए सूती रूमाल अपने साथ रखते हैं। यह बेहद खतरनाक हो सकता है, क्योंकि इससे बच्चे बार-बार संक्रमण के संपर्क में आते हैं। कपड़े के रूमाल की तुलना में भीगे मेडिकेटिड स्किनकेयर वाइप और टिश्यू पेपर त्वचा के लिए ज्यादा कोमल साबित होते हैं और इनकी सबसे अच्छी बात ये है कि इन्हें उपयोग करने के बाद आसानी से फेंका जा सकता है। अभिभावकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हाथों में चिपक जाने वाले हानिकारक विषाणुओं से बचाव के लिए नाक साफ करने के बाद हर बार तुरंत अपने हाथ पानी व साबुन की मदद से अच्छी तरह से धोएं। इतना ही नहीं बच्चों को पड़ोस या स्कूल में खेलते समय उन बच्चों से दूर रखना चाहिए, जो संक्रामक बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। अच्छी तरह हाथ धोने और नाखूनों की सफाई करते हुए उचित स्वच्छता बनाए रखना जरूरी है।

सफाई का ध्यान रखें

मच्छर, मक्खी, खटमल आदि हानिकारक कीटाणुओं एवं विषाणुओं के सबसे सक्रिय वाहक होते हैं। बच्चे इनका सबसे आसान निशाना होते हैं। मच्छरों से बचाव के लिए अपने आसपास पानी जमा नहीं होने दें। सुबह और शाम के समय बच्चों को घर से बाहर कम ही निकलने दें। अपने आस-पड़ोस में कूड़ा-कबाड़, बेकार कंटेनर और डिब्बे आदि जमा नहीं होने दें, क्योंकि इनमें ही मच्छरों का प्रजनन होता है।

समय पर टीकाकरण

शिशुओं और बच्चों को जानलेवा संक्रमण और बीमारियों से बचाने के लिए टीकाकरण सबसे अच्छा और प्रभावी तरीका है। इसके बावजूद माता-पिता इस पहलू की अनदेखी करते हैं। बच्चों में बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर ही अभिभावक उन्हें टीका लगवाने के लिए हॉस्पिटल ले जाते हैं।

डिफ्थीरिया, टेटनस, और हूपिंग कफ (काली खांसी), पोलियो (आईपीवी), रोटावायरस (आरवी), इन्फ्लुएंजा (फ्लू), खसरा, कंठमाला, रूबेला (एमएमआर) से बचाव के लिए बच्चे को शुरू से निर्धारित समय पर बीमारियों से संबंधित टीके अवश्य लगवाएं।

प्रतिरक्षा तंत्र मजबूत करना

वायरल संक्रमणों से बचाव करने के लिए बच्चों के प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करना सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। इसके लिए बच्चों को संतुलित खुराक के साथ पौष्टिक खाना दें। नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध सबसे अच्छा पौष्टिक भोजन होता है। ताजा फल और सब्जी हर उम्र के बच्चों के लिए आवश्यक होते हैं। पानी, दूध और फलों के जूस के जरिए बच्चों के शरीर में पानी की मात्रा बनाए रखें। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए हानिकारक सोडा, चिप्स, चॉकलेट और कुकीज जैसे खाद्य पदार्थ कम-से-कम दें। उनके खान-पान में दलिया एवं अनाज को प्रमुखता से शामिल करें, क्योंकि इनसे उन्हें बहुत सारे पोषक तत्व मिलते हैं।

माता-पिता भी रखें अपना ध्यान

माता-पिता को वायरस से बचाव के लिए अपना भी ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि माता या पिता में से किसी एक को भी संक्रमण होने पर बच्चों के इसकी चपेट में आने की आशंका काफी बढ़ जाती है।

रेसिपी

दूध की सेवइयां

सामग्री

- सेवईं: ½ कप
- चीनी: ½ कप
- घी: 2 बड़े चम्मच
- काजू कतरे हुए: 8-10
- बादाम: 8-10
- इलायची: 4

विधि

सबसे पहले काजू और बादाम छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद गैस पर एक कड़ाही चढ़ा लें। इसमें घी डालकर गर्म करें। घी गर्म होने पर इसमें सेवइयां डालकर उसे हल्का ब्राउन होने तक फ्राई करें। फिर उसमें कटे हुए बादाम और काजू डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर थोड़ी देर और फ्राई करें। हल्के फ्राई होने पर सेवइयों को एक सूखी प्लेट में निकाल लें। अब सेवइयों को मीठा करने के लिए चाश्नी बना लें। इसके लिए एक गहरी तली वाला एक बर्तन लेकर उसमें पानी डाल दें। पानी के उबालने पर इसमें चीनी डालकर तब तक पानी को पकाएं। जब तक चीनी पानी में पूरी तरह से घुल नहीं जाती। जब चीनी पानी में घुल जाए तो इसमें भुनी हुई सेवइयां डालकर उसे ढक दें। सेवइयों को चाश्नी में 5 मिनट तक मध्यम आंच पर पकने दें। इसके बाद इसमें इलायची पाउडर डालकर एक बार फिर अच्छे से 5 मिनट तक चलाते हुए मिक्स कर लें। 5 मिनट बाद गैस बंद करके सेवइयों को प्लेट से ढक दें। थोड़ी देर बाद सेवइयों को एक सर्विंग बाउल में निकालकर गरमा गरम सर्व करें।

ओट्स की रोटी

सामग्री

- ओट्स : ½ कप
- प्याज : ¼ कप
- होलव्हीट आटा : 1 कप
- धनिया : 1/ कप
- तेल : 1 टेबलस्पून
- चिली पाउडर : ½ टेबलस्पून
- नमक : 1 टेबलस्पून

विधि

एक कटोरे में गेहूं का आटा लें। इसमें ओट्स, कटी हुई प्याज, धनिया, हरी मिर्च, नमक और तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। थोड़ा सा पानी डालकर इसका मुलायम आटा अच्छी तरह से गूंथ लें। इसे ढक कर आधे घंटे के लिए रख दें। अब आटे की छोटी-छोटी लोई बना लें और सामान्य रोटी की तरह बेल लें। गर्म तवे पर इसे दोनों तरफ से अच्छे से सेक लें। आप चाहें तो इस पर तेल लगाकर भी सेक सकती हैं। अच्छी तरह सिकी गरमागरम और कुरकुरी ओट्स रोटी लो फैट दही के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-5-6-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। आत्मचिंतन कर। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। यात्रा का योग बनेगा। विद्यार्थियों को लाभ। शुभांक-5-7-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। स्वविवेक से कार्य कर। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। उन्नति के योग हैं। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-7-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-4-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर वाले मदद करेंगे। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
बचते-बचते कलह विवाद का डर रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दे शुभांक-2-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय होगा और प्रसन्नताएं बढ़ेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

काकुरो पहेली - 3947

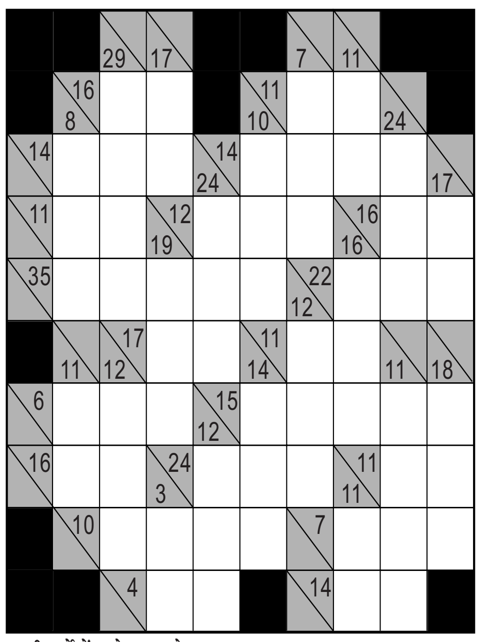

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

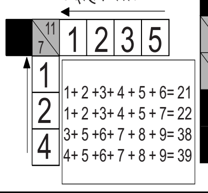

काकुरो - 3946 का हल

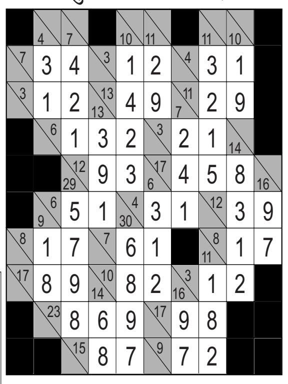

हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली-'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार में चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले-'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली-'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार में उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.'

□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा-'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है-'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3947

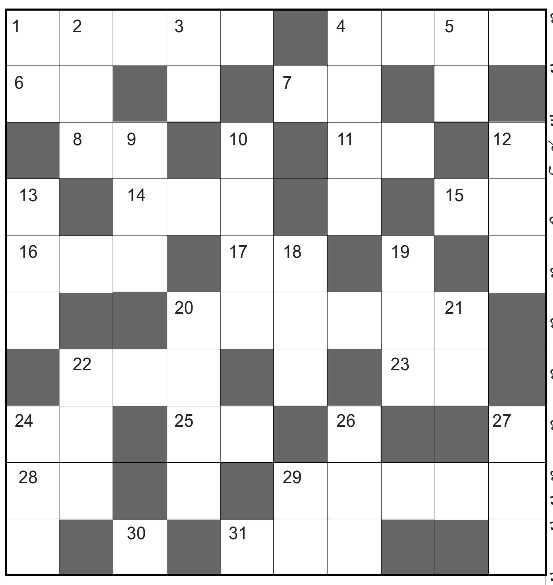

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, जया की 'ये जुल्फ कैसी है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
४. 'सीमायें बुलाये तुझे' गीत वाली जे.पी.दत्ता की युद्ध की पृष्ठभूमि पर बनी एक मल्टीस्टारर फिल्म-२,१,१
६. फिल्म 'साया' में नायिका कौन थी-२
७. 'झमका चाँदी दा' गीत वाली मनोज, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
८. अभिषेक, अंतरा माली की 'बेरंग जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'जीवनमृत्यु' में नायिका थी-२
१४. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फराजखान, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आज मदहोश हुआ जाये' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
१७. संजय कपूर, रवीना, अदिति की 'हंसता है रूलता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'सनन सनन साय साय हो' गीत वाली गोविंदा, रमैया की फिल्म-४,२
२२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तू कल चला' गीत वाली संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम ढिल्लों की फिल्म-२
२४. जैकी, सुनील शेट्टी, डिनो, करिश्मा की 'ऐ सुबह तू' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'हुस्ने जाना इधर आ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-२
२८. देवआनंद, गीता बाली की 'चांदनी रातें प्यार की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जिनके पास हाथी घोड़ा' गीत वाली राजकुमार, लीना की फिल्म-२,१,२
३०. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-१
३१. 'लड़की जो आए बाजार में' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मनीषा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'नदिया किनारे आआ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता की फिल्म-२
२. ऋषिकपूर, माधुरी दीक्षित की 'जाने वो कैसा चोर था' गीत वाली फिल्म-३
३. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
४. अक्षय, करीना कपूर, प्रियंका की फिल्म-४
५. 'दिल दिया है तुझे' गीत वाली अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
९. राहुल बोस, करीना कपूर की 'जाने क्यूं हमको' गीत वाली फिल्म-३
१०. राजकपूर, परवीन की 'आपसा कोई हसीन' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'तोता मैना की कहानी' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१३. मिलिंद सोमण, किरण झवेर की 'जीना है तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'सुलगे हुए हैं' गीत वाली जिमी, इरफान, ऋषिता, नम्रता की फिल्म-३
१९. फिल्म 'अवतार' में राजेश की नायिका ?-३
२०. 'नहीं ये हो नहीं सकता' गीत वाली फिल्म-४
२१. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, मधु, सीमा की 'आई सी यू बेबी' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'रंग और नूर की बारात' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
२४. नसीर, फारूख शेख, स्मिता की फिल्म-३
२६. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२७. शाहरूख, माधुरी की 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3946

जु	दा	ई		उ	त्स	व		जं	ग
र्म		मा	सु	म		क्त		ग	
	आ	न		रा	नी		दि	ल	से
भा	ई		दे	व		शू	ल		व
	ना			जा	ल		ज	ब	क
भ		श	गु	न		द	ला	ल	
रो	टी		स		दो	स्त		मा	या
सा		जो		आ		क	र्ज		रा
	स	र	फ	रो	श			ना	ना
ह	त्या			प		सं	ग	म	

सूडोकु -3947

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3946 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 3947

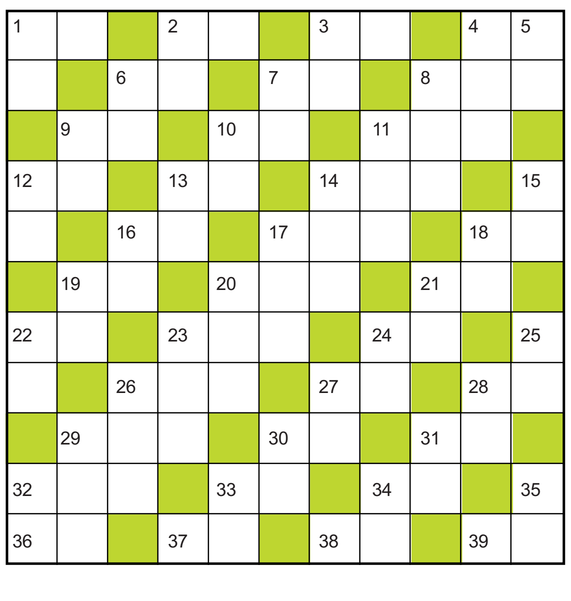

बाएँ से दाएँ

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -3946 का हल

ल	ब		ब	स		धा	गा		ह	रा
व	ह	म		ब	म		ना	ला		ह
	न	म	न		जा	न		र	मा	
ना		ता	क	त		शा	न		ता	त
क	मी		ल	ल	ना		म	न		न
	न	ख		वा	च	क		ल	क्ष	
स		र	वा		ना	म	क		मा	दा
खा	द		त	र		र	ह	न		म
	म	स्त		मा	न		वा	ह	क	
दा		र	स		या	र		र	च	ना
स	दा		च	क्षु		न	भ		रा	ल

एक एक्टर के तौर पर अभी लंबा सफर तय करना बाकी है

'मिर्जापुर : द मूवी' इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। वेब सीरीज के तीन सीजन के बाद अब 'मिर्जापुर' फिल्म के तौर पर बड़े पर्दे पर आ रही है। इसमें जहां वेब सीरीज के कई कलाकार और किरदार वापसी करेंगे, तो वहीं कुछ नए कलाकार और किरदार भी नजर आएंगे। अभिषेक बनर्जी भी फिल्म में सीरीज के अपने चर्चित कंपाउंडर सुबोध के किरदार में दिखाई देंगे। फिल्म की रिलीज से पहले अभिषेक ने अपने किरदार को मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने एक किस्सा साझा किया जहां एक फैन ने उन्हें कंपाउडर सुबोध के तौर पर ही पहचाना।

बातचीत में अभिषेक बनर्जी ने एक फैन द्वारा उन्हें कंपाउंडर सुबोध के तौर पर पहचाने जाने का जिक्र किया। अभिषेक ने बताया कि हां, जना और हथौड़ा त्यागी। मुझे लगता है कि लोग मुझे मेरे असली नाम से ज्यादा इन किरदारों के नाम से जानते हैं। मुझे सच में इस बात की खुशी है। जब आपके किरदार अच्छा काम करते हैं, तो लोग उनसे जुड़ जाते हैं। अभी-अभी जब मैं अंदर आ रहा था, तो सिक्योरिटी गार्ड ने मुझे रोका और कहा, 'अरे, मिर्जापुर कंपाउंडर!' उसने मुझे इसी तरह याद रखा था। मैं अपने दर्शकों के साथ ठीक ऐसा ही जुड़ाव बनाना चाहता हूं।

एक एक्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि अभी लंबा सफर तय करना बाकी है; यह तो बस शुरुआत है। मेरे लिए यह जरूरी है कि लोग मुझे मेरे काम और एक्टिंग की वजह से जानें, न कि इस वजह से कि मैं असल जिंदगी में कैसा हूं। मुझे जो काम मिल रहा है, उसके लिए मैं सच में शुक्रगुजार हूं।

अभिनेत्री आकांक्षा चमोला दोबारा नहीं करेंगी शादी, अकेली गुजारेंगी जिंदगी

अभिनेता गौरव खन्ना से तलाक और खुद के बायसेक्शुअल होने की चर्चाओं के बाद अभिनेत्री आकांक्षा चमोला ने कहा है कि वह दोबारा शादी नहीं करेंगी। फराह खान और रितेश देशमुख के होस्ट किए जाने वाले नेटफ्लिक्स शो 'लॉक अप : सच या सजा' के हालिया एपिसोड में आकांक्षा अपनी करीबी दोस्त पामेला सेरेना के साथ जेल में दिल की बातें करती नजर आईं। आकांक्षा ने पामेला से कहा कि जब उनकी शादी गौरव खन्ना से हुई थी, तब उनकी उम्र 24 साल थी। इस पर पामेला ने कहा कि वह अभी भी युवा हैं और उन्हें आगे चलकर कोई अच्छा जीवनसाथी मिल सकता है। आकांक्षा ने जवाब दिया, 'नहीं, मैं दोबारा शादी नहीं करना चाहती। मेरा मन अब शादी से भर गया है। लेकिन जिंदगी में पहली बार मैं अकेले रहूंगी। न मैं अपने माता-पिता के घर रहूंगी और न ही पति के घर। मेरा अपना घर होगा और मैं आगे की जिंदगी अकेले ही बिताऊंगी।' फिलहाल शो में आकांक्षा चौधरी, योगेश रावत, सुनीता आहूजा, राम कपूर, श्रेया कालरा, शिवांगी जोशी, हर्षद चोपड़ा, सूफी मोतीवाला, धीरज धूपर, माधुरी जैन ग्रोवर, रियाज अली और वरुण यादव उर्फ 'लैला' जैसे कई लोकप्रिय चेहरे नजर आ रहे हैं।

'लॉकअप' का पहला सीजन साल 2022 में आया था, जिसे कंगना रनौत ने होस्ट किया था। पूरे सीजन में करण कुंद्रा जेलर की भूमिका में नजर आए थे। इस सीजन के विजेता मुनव्वर फारूकी बने थे। 'लॉकअप' के दूसरे सीजन में 6 हफ्तों तक 14 कैदी, दो जेलर और एक लॉक-अप होगा। शो के नियमों के मुताबिक, कैदियों को खाना, जरूरी सामान और दूसरी बुनियादी सुविधाएं पाने के लिए टास्क पूरे कर इन-गेम करेंसी कमानी होगी। पिछले हफ्ते 'जजमेंट डे' के दौरान आकांक्षा ने खुलासा किया कि वह बायसेक्शुअल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि गौरव से शादी से पहले उनके महिलाओं के साथ रिश्ते रह चुके हैं। इस बारे में पूछे जाने पर आकांक्षा चमोला ने कहा, 'मैं शादी से पहले उभयलिंगी थी। मेरे रिश्ते कुछ लड़कियों के साथ हैं। बहुत ज्यादा अंतरंग संबंध नहीं रह रहे हैं लेकिन मैं कुछ महिलाओं के साथ संबंधों में रही हूं।' उन्होंने बताया कि उन्हें महिलाओं के साथ ज्यादा सहज महसूस होता है और उनकी संगति में वह खुद को बेहतर महसूस करती हैं।

20 वर्षों के बाद तमिल सिनेमा में वापसी करने को तैयार नसीरुद्दीन शाह

दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। इस बीच खबर है कि वह धनुष की अपकमिंग एक्शन ड्रामा फिल्म 'ओम' में नजर आने वाले हैं। वह आधिकारिक तौर पर इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गए हैं, जिससे 26 साल बाद तमिल सिनेमा में उनकी वापसी हो रही है। यह एक बड़े बजट का प्रोडक्शन है जिसे दो-भागों वाली एक्शन ड्रामा फिल्म के तौर पर बनाया जा रहा है। इसका निर्देशन राजकुमार पेरियासामी कर रहे हैं, जिन्हें 'अमरन' के लिए काफी तारीफें मिली थीं।

मेकर्स ने किया आधिकारिक एलान

मेकर्स ने सोशल मीडिया पर नसीरुद्दीन शाह की एक तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा 'ओम की दुनिया में एक दमदार एंट्री। दिग्गज नसीरुद्दीन इस मेगा फिल्म का हिस्सा बन गए हैं। 16 अक्टूबर 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में आ रही है।'

20 साल पहले तमिल में किया था काम

आपको बता दें कि नसीरुद्दीन शाह ने कमल हासन की फिल्म 'हे राम' (2000) में शाहरुख खान के साथ महात्मा गांधी की भूमिका निभाई थी। यह उनकी आखिरी तमिल फिल्म थी।

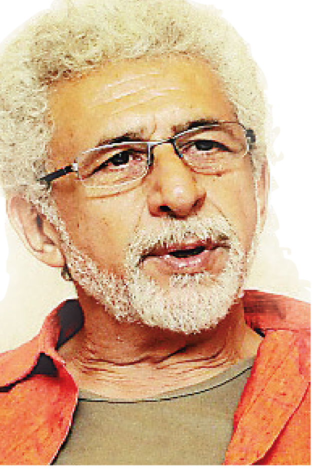

मेरा किसी की शैली की नकल करने का कोई इरादा नहीं है

अभिनेता कुनाल खेमू का कहना है कि रियलिटी शो 'एलायंस' के साथ होस्ट के रूप में अपने डेब्यू के बाद वह सलमान खान से की जा रही तुलना के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह इस शो में बिना किसी पूर्वधारणा के प्रवेश कर रहे हैं और सिर्फ़ अपने स्वाभाविक अंदाज में रहना चाहते हैं। बातचीत में जब कुनाल से पूछा गया कि क्या उनके मन में सलमान खान से तुलना का विचार है, जो पिछले एक दशक से अधिक समय से रियलिटी शो की दुनिया का एक बड़ा चेहरा रहे हैं, तो उन्होंने बेबाकी से जवाब दिया, 'मैंने इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। लोग मुझसे बहुत पहले से यह काम कर रहे हैं और बहुत अच्छे तरीके से कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा कि उनका न तो किसी की शैली की नकल करने का इरादा है और न ही जानबूझकर खुद को सबसे अलग दिखाने की कोशिश। 'आपकी सोच और परवरिश ऐसी होती है कि शायद आपको लगता है कि यही तरीका है, क्योंकि आपने कुछ और देखा ही नहीं है। इसलिए मैं न तो किसी की नकल करने की कोशिश कर रहा हूं और न ही किसी से अलग बनने की।' कुनाल ने इसे अपने लिए पूरी तरह नया अनुभव बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें खुद भी नहीं पता कि समय के साथ वह किस तरह के होस्ट बनकर उभरेंगे।

उन्होंने कहा, 'जैसा मैंने बताया, मैं इसमें बिना किसी तय योजना के उतर रहा हूं। मुझे खुद भी नहीं पता। हो सकता है बाद में कोई कहे कि मेरी यही शैली बन गई या यह कुछ अलग है। मुझे नहीं पता। मैं बस वही कर रहा हूं जो मुझे सही लगता है।'

गौरतलब है कि सलमान खान अब तक रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 15 सीजन होस्ट कर चुके हैं और उन्हें इस क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय होस्ट्स में गिना जाता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कुनाल खेमू आखिरी बार फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' में नजर आए थे। यह उनके निर्देशन की पहली फिल्म भी थी, जिसे इसकी अनोखी कहानी और कलाकारों के अभिनय के लिए सराहना मिली थी।

रवीना टंडन ने बॉलीवुड में अभिनेत्रियों की घटती भूमिका का उठाया मुद्दा

रवीना टंडन की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार कमाई कर रही है। यह एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म है। इसी बीच रवीना ने बॉलीवुड की कॉमेडी फिल्मों में हीरोइनों की भूमिकाओं को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

रवीना टंडन ने 90 के दशक में 'अंदाज अपना अपना' और 'दूल्हे राजा' जैसी कई शानदार कॉमेडी फिल्मों में काम किया था। बातचीत के दौरान, रवीना ने कहा कि उस दौर में अभिनेत्रियों को खुलकर कॉमेडी करने का मौका मिलता था। आजकल की कॉमेडी फिल्में बहुत ज्यादा बंधी-बंधाई होती हैं या फिर उनमें बहुत सारे कलाकार होते हैं। इस वजह से हीरोइनों के हिस्से में मजेदार और हंसाने वाले सीन बहुत कम आते हैं।

श्रीदेवी और जूही चावला की तारीफ

रवीना ने 'मिस्टर इंडिया' और 'चालबाज' जैसी फिल्मों से साबित किया कि एक खूबसूरत हीरोइन भी बेहतरीन कॉमेडी और हाव-भाव से लोगों को हंसा सकती है। इसके साथ ही रवीना ने जूही चावला की कॉमिक टाइमिंग और गीता बाली और मधुबाला जैसी पुरानी अभिनेत्रियों के मजाकिया अंदाज की भी तारीफ की। रवीना ने कहा, 'आजकल की अभिनेत्रियां बहुत टैलेंटेड हैं, लेकिन फिल्मों की स्क्रिप्ट उन्हें सिर्फ सुंदर दिखने तक सीमित कर देती है। हमें ऐसे लेखकों की जरूरत है, जो महिलाओं के लिए मजेदार और हंसाने वाले किरदार लिखें, बिना यह सोचे कि उन्हें हर वक्त परफेक्ट दिखना है।'

आठ घंटे की शिफ्ट के सपोर्ट में अहमद खान

निर्देशक अहमद खान अपनी नई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' की कामयाबी को लेकर खुश हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच उन्होंने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट का समर्थन किया है।

जब से ऐसी खबरें आईं कि एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग करते हुए 'स्पिरिट' से किनारा कर लिया, तब से इंडस्ट्री में इस पर बहस चल रही है। आठ घंटे की मांग वाले मामले पर लोगों की राय बंटी हुई है।

अब इस मामले पर अहमद खान ने अपनी राय रखी है। उन्होंने इंडिया टुडे से बातचीत में कहा 'देखिए मैं उस दौर का हूं, जब हम दिन में 24 घंटे काम करते थे। मैंने तीन शिफ्ट में काम किया है- सुबह सात से दो, दोपहर दो से रात दस और रात नौ बजे से सुबह पांच बजे तक। हम आरके स्टूडियो, फिर फेमस स्टूडियो, फिर फिल्मिस्तान में शूटिंग करते थे, जिसमें आने-जाने का समय भी शामिल होता था। हम सेट पर ही सोते थे। टूथपेस्ट कार में होता था। हम चेंजिंग रूम में नहाते थे।' इतने मुश्किल शेड्यूल के अपने अनुभव के बावजूद, अहमद खान ने कहा कि आज के एक्टर्स से उसी रूटीन का पालन करने की उम्मीद करना गलत होगा।

एक्टर्स के पास होते हैं दूसरे काम

उन्होंने कहा 'आज के युवा, स्टार्स और एक्टर्स, अगर शूटिंग नहीं कर रहे होते हैं, तो वे पब्लिक अपीयरेंस, ब्रांड एंडोर्समेंट में व्यस्त रहते हैं। शाम को उन्हें कहीं और जाना होता है। उनके पास अन्य काम भी होते हैं। इसलिए, उन्हें शूटिंग के लिए आठ घंटे चाहिए, फिर वे अपने बाकी कामों के लिए फ्री रहना चाहते हैं। यह सही है, जब तक वे काम कर रहे हैं। वे यह नहीं कह रहे हैं कि 'आठ घंटे के बाद हम टेनिस खेलने जा रहे हैं'।'

अहमद खान का सुझाव

डायरेक्टर ने सुझाव दिया कि प्रोड्यूसर और फिल्ममेकर्स को नई सच्चाई के हिसाब से अपने शेड्यूल में बदलाव करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'तो ठीक है, अगर आप आठ घंटे दे रहे हैं, तो हम अपना शेड्यूल आठ घंटे के हिसाब से रखेंगे और आठ घंटे में ही शूटिंग करेंगे। इससे सभी की जिंदगी आसान हो जाएगी।'

जन्मजात नेता हैं थलापति विजय

एक्ट्रेस प्रियामणि ने हाल ही में 'जन नायकन' के बारे में जानकारी दी। यह फिल्म सुपरस्टार से तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने थलापति विजय के साथ उनकी पहली फिल्म है। एच. विनोथ के डायरेक्शन में बन रही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की काफी चर्चा हो रही है, क्योंकि यह थलापति विजय की आखिरी फिल्म है और इसके सर्टिफिकेशन प्रोसेस में देरी की वजह से भी यह सुर्खियों में रही है। हाल ही में एक इवेंट में प्रियामणि ने फिल्म की रिलीज के बारे में इशारा करते हुए कहा कि जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। उन्होंने विजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में भी बात की और उनके लीडरशिप गुणों की तारीफ करते हुए कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि वह अपनी मौजूदा भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। अपनी फिल्म 'जीडीएन' के लिए आयोजित एक इवेंट में प्रियामणि ने थलापति विजय के मुख्यमंत्री बनने पर कहा कि मैं बहुत खुश हूं। हर कोई कह रहा है कि सर इस भूमिका के लिए ही पैदा हुए थे। मुझे लगता है कि वह अच्छा काम कर रहे हैं और सभी को लगता है कि यह इसी तरह जारी रहना चाहिए।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।